



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 21] नई दिल्ली, शनिवार, मई 25, 1991 (ज्येष्ठ 4, 1913)
No 21] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 25, 1991 (JYAISTHA 4, 1913)

(इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके)
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

पृष्ठ	पृष्ठ
भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय की छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों, संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं	429
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय की छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	623
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांखिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	1
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	735
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	*
भाग II—खण्ड 1-क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	*
भाग II—खण्ड 2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रकर लमि- तियों के बिना तथा रिपोर्ट	*
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1) भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय की छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांखिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)	1805
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय की छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांखिक आदेश और अधिसूचनाएं	*
भाग II—उप-खण्ड (iii) भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांखिक नियमों और सांखिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी अधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)	*
भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांखिक नियम और आदेश	*
भाग III—खण्ड 1—उच्च न्यायालयों, न्यायिक और महासेवा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	513
भाग III—खण्ड 2—मैट्रिक कार्यालय द्वारा जारी की गई टेबलों और विचारकों में संबंधित अधिसूचनाएं और नोटिस	589
भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयुक्ता के प्राधिकार के अधीन प्रस्ताव द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	1
भाग III—खण्ड 4—विभिन्न अधिसूचनाएं जिनमें सांखिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	1805
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस	69
भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के जांचकों की वसति वाला अनुसूचक	*

CONTENTES

	PAGE		PAGE
PART I—SECTION 1— Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court,	429	PART II—SECTION 3—Sub-Sec (iii)— Authoritative texts in Hindi (other than such texts, Published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 2— Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	623	PART II—SECTION 4— Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART I—SECTION 3— Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	3	PART III—SECTION 1— Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Officers of the Government of India	513
PART I—SECTION 4— Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	735	PART III—SECTION 2— Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	589
PART II—SECTION 1— Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 3— Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	1
PART II—SECTION 1-A— Authoritative texts in Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 4— Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisement and Notices issued by Statutory Bodies	1805
PART II—SECTION 2— Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	PART IV— Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	69
PART II—SECTION 3—Sub-Sec. (i) General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India, (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	PART V— Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi*	*
PART II—SECTION 3—Sub-Sec. (ii)— Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*		

भाग I—खण्ड 1
[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 मई 1991

सं. 65-प्रेज/91—राष्ट्रपति पंजाब पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री मोहम्मद मुस्तफा,
सहायक पुलिस अधीक्षक,
नरम-नारम, पंजाब।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

30 नवम्बर, 1988 को कुछ उपद्रोहियों को उपस्थिति के बारे में सूचना प्राप्त होने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नरम-नारम के कमान्ड में पंजाब पुलिस, सीमा सुरक्षा दल तथा केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की संयुक्त टुकड़ियों द्वारा छानबीन और तलाशी का अभिप्राय बताया गया और तीन दल बनाए गए। श्री मोहम्मद मुस्तफा, सहायक पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व वाले दल ने मुगल बाक गांव के बायी ओर से घर-घर की तलाशी लेने का कार्य शुरू किया। जिस मकान में उपद्रोही छुपे हुए थे पुलिस दल को उस मकान की तरफ आते हुए देखकर उपद्रोही बचकर भागने के लिए मकान की चार दीवारों से कूद गए। केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के कमान्डेंट जे०पी० धनमाला के नेतृत्व में दूसरा दल उस ओर वहां पर पहले से मौजूद था। अपने को बुरी तरह से फंसा महसूस होने पर आतंकवादियों ने श्री धनमाला के नेतृत्व वाले पुलिस दल पर गोलियां चलाती शुरू कर दी। केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के दो कान्स्टेबलों ने असाधारण साहस दिखाते हुए आतंकवादियों पर गोलियां चलाई और उन्हें मकान के एक कमरे के अन्दर जाने के लिए मजबूर कर दिया। श्री मुस्तफा, जो बायी ओर से निगरानी रख रहे थे, स्वेच्छा से उस कमरे में जाने के लिए तैयार हुए, जो उस मकान के सामने था तथा जिसमें आतंकवादी छिपे हुए थे और यह मकान आतंकवादियों से केवल 70 गज की दूरी पर था, जहां से आतंकवादी अबाधुंध गोलियां चला रहे थे। उन्होंने अपने

दो कान्स्टेबलों के साथ मकान के उस छज्जे के पीछे मोर्चा संभाला और वे कूक-कूककर एल०एम०आर० से गोलियां चलाते रहे। एक गोली कान्स्टेबल कसपाल सिंह को लगी जो एल०एम०आर० के साथ मकान की छत पर मोर्चा संभाले हुए थे। उन्हें इलाज के लिए तुरन्त अस्पताल ले जाया गया। श्री मुस्तफा ने आतंकवादियों पर गोली चलाया जारी रखा। उन्होंने दूसरी पहल की ओर अपनी रणनीति में परिवर्तन किया। वे नीचे आए, चार दीवारों के प्रांगण में रेंगते हुए गए और एक छेद बनाकर आतंकवादियों पर एल०एम०आर० से इस छेद से गोली चलाने लगे। उन्होंने दो कान्स्टेबलों को एल०एम०आर० चलाने को कहा और स्वयं दोवार में दाहिनी ओर से दूसरा छेद बनाया और वहां से एल०एम०आर० से गोली चलाई। आधे घंटे तक गोली चलाने के परिणामस्वरूप तीन उपद्रोही मारे गए। मारे गए दो आतंकवादियों की प्रमरीक सिंह तथा बलदेव सिंह के रूप में पहचान हुई।

इस भूतभेद में श्री मोहम्मद मुस्तफा, सहायक पुलिस अधीक्षक ने उत्कृष्ट वीरता, साहस और उच्चकोटि की कम्युपरायणता का परिचय दिया।

यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अंतर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 8 के अंतर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 30 नवम्बर, 1988 से दिया जाएगा।

सं. 66-प्रेज/91—राष्ट्रपति उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री अम प्रकाश सिंह, मलिक,
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक,
आजमगढ़।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

18 अप्रैल, 1988 को जब श्री अम प्रकाश सिंह मलिक, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, आजमगढ़, पुलिस कार्यालय;

आजमगढ़, से एक बैठक कर रहे थे तो सूचना प्राप्त हुई कि मिथिल न्यायालय के परिसर में गोली-बारी हो रही है। वे तुरन्त श्री जी०एन० सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक और श्री एस०एस० शर्मा, निरीक्षक, जो उस समय उनके कार्यालय में उपस्थित थे, को साथ लेकर अदालतघर पर पहुँचे, जहाँ उन्होंने पाया कि अपराधियों का एक अतृप्त गिरोह अपने विरोधियों पर बहुत भारी गोली-बारी कर रहा है, जिस गिरोह के साथ उनका भूमि संबंधी विवाद था तथा उस दिन उस मामले की सुनवाई होनी थी। गोली-बारी से आम जनता को चोटे आयी और आतंक और भय फैल गया था तथा न्यायालय की कार्यवाही रुक गई।

श्री मलिक ने पता लगाया कि गोली-बारी करने के बाद मल्लिक गिरोह एक जीप तथा एक एम्बीस्वर कार में बनारस की ओर भाग गया। छुगम मिलने के बाद, समय गवाये बिना तथा कुमुक की प्रतीक्षा किए बिना श्री मलिक श्री जी०एन० सिंह, सहायक पुलिस अधीक्षक तथा श्री एस०एस० शर्मा, निरीक्षक, के साथ उसी रास्ते अपराधियों का पीछा किया। इसी दौरान राह में आगे बाने पुलिस नियंत्रण कक्ष और धानों को भी सतर्क कर दिया गया। जब श्री मलिक बाराणसी मार्ग पर जा रहे थे तो उन्होंने बन्नाईसा रेलवे काठक पर एक जीप और एक एम्बीस्वर कार को देखा। उन्होंने अपने जालक को आदेश दिया कि वह गाड़ी को उनमें आगे ले जाए और ठीक उसके आगे से खड़ा करे ताकि उनका रास्ता बन्द हो जाए जब कि श्री शर्मा की कार ने पीछे से जाकर उनका रास्ता रोक दिया। अपराधियों ने जब स्वयं को चारों ओर से घिरा हुआ पाया तो वे तत्काल खूब कर बाहर आ गए और गोली-बारी करने के लिए मोर्चे संभाल लिए। अपराधियों की गोली-बारी की बिन्ता किए बिना श्री मलिक ने अपराधियों को आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी लेकिन अपराधियों ने अवधुध गोली-बारी करके जवाब दिया। इस बीच काफी मीढ़ एकत्र हो चुकी थी तथा यह समझा गया कि यदि पुलिस द्वारा गोलियाँ चलाई गईं तो बेकसूर राह चलते लोग घायल हो जाएंगे। इस मौके पर श्री मलिक ने अपनी निजी सुरक्षा की परवाह किए बिना एक झटके में गिरोह के मुखिया कोरेन्द्र राय पर झपट पड़े और उसे दबोच लिया और उसकी राईफल छीन ली। इस बीच एक अन्य अपराधी विजय प्रताप ने श्री मलिक पर गोली चलाई परन्तु ठीक समय पर उसका निशाना भूक गया और श्री जी०एन० सिंह उस पर झपट पड़े और उसे दबोच लिया। चन्द्र शेखर मिश्र नामक एक अन्य अपराधी को भी काबू कर लिया गया जब कि अन्य अपराधी भाग और गोला बारूक छोड़कर भाग निकले।

पकड़े गए तीनों अपराधियों की साथ में क्रमशः एक नियमित उप-निरीक्षक और एक भूतपूर्व कास्टेबल के रूप में पहचान की गई जिन्होंने खेल में आतंक फैला रखा था।

इस मुद्दे में श्री ओम प्रकाश सिंह मलिक, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, ने उत्कृष्ट वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 19 अग्रेष 1988 में दिया जाएगा।

सं० 67-प्रेज/91—राष्ट्रपति उत्तर प्रदेश पुलिस के निर्मासित अधिकाधिकों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहित प्रदान करने हैं —

अधिकारियों का नाम तथा पद

श्री विरिन्दर सिंह सिद्ध,
पुलिस अधीक्षक बांदा।

श्री अजय कुमार कुलश्रेष्ठ
उप-निरीक्षक नगर पुलिस,
बांदा।

श्री उमाशंकर वर्मा (सरणोपरान्त)
उप-निरीक्षक बांदा।

श्री जय राम सिंह
कास्टेबल, बांदा।
संबन्धों का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

1. फरवरी 1990 को जब श्री अजय कुमार कुलश्रेष्ठ उप-निरीक्षक अन्य पुलिस कामिकों के साथ एक अपराधी श्रीमती अशमिनिया जिसकी कई मामलों में लगाश थी, को गिरफ्तार करने के लिए गए हुए थे, तो उन्हें सूचना प्राप्त हुई कि अन्तराज्यीय गिरोह का नेता राम करन सिंह अपने गिरोह के साथ लक्ष्मिनिया के घर में है। श्री कुलश्रेष्ठ ने अपर्याप्त बल होने के बावजूद कार्रवाई शुरू कर दी लेकिन बल की कमी पूरा करने के लिए गांव में कुछ लाइनर-वारियों को एकत्र किया और 5.30 बजे पूर्वाह्न स्थल को आर रवाना हुए। उन्होंने बल और लाइनर-वारियों को तीन दलों में विभाजित था एक दल दो मनुष्य उन्होंने स्वयं लिया और अन्य दो दलों में मनुष्य दो उप-निरीक्षकों द्वारा लिया गया। श्री कुलश्रेष्ठ ने अपने दल के साथ श्रीमती अशमिनिया के घर के पश्चिम दिशा की ओर मोर्चा संभाला और अन्य दो दलों ने श्रीमती लक्ष्मिनिया के घर उत्तरी और दक्षिणी दिशा की ओर मोर्चा संभाला। इकैतो को पुलिस के पहुंचने का आभास होने पर श्री कुलश्रेष्ठ गम्भीर व्यक्तिगत खतरा उठाकर जयराम सिंह कास्टेबल के साथ इकैतो को बाहर निकालने के लिए घर में घुसे जहाँ इकैतो ने उन पर गोलियाँ चलाई। श्री कुलश्रेष्ठ बल मिलने के लिए जयराम सिंह कास्टेबल की राईफल के दो दूजे हो गए और वे राईफल के दूजे होने के कारण खपड़ियों से जकड़ी हो गए। दोनों ने तुरन्त मार्च संभाला और पुलिस कामिकों और

लाइसेंसधारियों की स्थिति की गम्भीरता से सावधान रखा और इकैतों को व्यस्त रखा और पुलिस अधीक्षक बाबा को कुमुक भेजने के लिए आर.टी. संदेश भेजा गया।

श्री बिरिन्दर सिंह सिद्ध, पुलिस अधीक्षक बाबा एक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डा० तहसीलदार सिंह उप-पुलिस अधीक्षक, श्री उमाशंकर वर्मा उप-निरीक्षक श्री अजय कुमार उप-निरीक्षक और आकस्मिक बल जिसमें पूरी तरह से सुसज्जित पी० ए० सी० की एक प्लाटून सहित 8.00 बजे पूर्वाह्न स्थल पर पहुंचे जहाँ श्री कुलश्रेष्ठ ने स्थिति के बारे में श्री बिरिन्दर सिंह सिद्ध को बताया जिन्होंने कार्रवाई की बागडोर संभाली और पूरी तैनाती को पुनर्गठित किया। श्री सिद्ध के नेतृत्व में पुलिस बल को दस घंटों में विभाजित किया गया एक बल ने श्री उमाशंकर वर्मा उप-निरीक्षक के नेतृत्व में उत्तरी दिशा की ओर मोर्चा संभाला, श्री कुलश्रेष्ठ के साथ डा० तहसीलदार सिंह उप-पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में एक बल ने राम आसरे के घर की छत पर मोर्चा संभाला जबकि पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व वाले बल ने राम आसरे द्वारा अर्द्ध-निर्मित खिबार के पीछे मोर्चा संभाला। पुलिस बल की तैनाती के बाद श्री सिद्ध ने इकैतों को आत्मसमर्पण करने के लिए बल द्वारा भेजा न बचने से इकैतों ने एस० एल० आर० से आधार गोली चलाई लेकिन अपने फुरतीलेपन के कारण श्री सिद्ध सौभाग्यवश बच गए। जब पुलिस बल की जवाबी गोली और आसू गैस का इकैतों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा, श्री सिद्ध ने अपने कामिकों को हथगोला की न० 1 आदेश दिया जिसके परिणामस्वरूप घर की घास-फूस की छत से आग लग गई इसके बावजूद कुछ समय न इकैतों नहीं बह आर एक-एक कर गोली चलाते रहे। जेनेनी गोली-बारी कुछ समय के लिए रुकी थी उमाशंकर स्थिति का आग्रह करने के लिए खिबार पर चढ़े लेकिन दुर्भाग्यवश श्री वर्मा अचानक गोली चलने से जखमी हो गए और आग से गुलगती छत से गिर पड़े। श्री सिद्ध डा० तहसीलदार सिंह और अन्य लोगों की मदद से श्री वर्मा के झूलसे घरेलू को निर्यात कें।

श्री सिद्ध डा० तहसीलदार सिंह, श्री ए० के० कुलश्रेष्ठ, श्री जयराम सिंह और अन्यो ने अपने जीवन के प्रति उत्पन्न गम्भीर खतरे को नजरअंदाज करते हुए इकैतों के बल से निपटने के लिए बूढ़ प्रतिज्ञा की और इकैतों पर गोली चलाती जारी रखी पुलिस अधिकारियों के इस निश्चय के अच्छे परिणाम निकले, और इकैतों की ओर गोली-बारी अंतिम रूप से 3.00 बजे अपराह्न बन्द हो गयी और क्षेत्र की छात्रवर्ग सभा का चला कि तीन इकैतों नामतः राम करम सिंह, रामपाल सिंह और जिजा बाबा के राम पाल मृत पाये गये।

इस मुठभेड़ में श्री बिरिन्दर सिंह सिद्ध, पुलिस अधीक्षक, श्री अजय कुमार कुलश्रेष्ठ, पुलिस उप-निरीक्षक, श्री उमाशंकर वर्मा, पुलिस उप-निरीक्षक और श्री जयराम सिंह, कान्स्टेबल

ने उल्लेख्य वीरता साहस और उच्चकोटि की कार्यप्रदर्शना का परिचय दिया।

ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 8 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दितांक 1 फरवरी, 1990 से दिया जाएगा।

सं० 68-प्रेज/91--राष्ट्रपति उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक का बार सहर्ष प्रदान करते हैं :-

अधिकारी का नाम तथा पद
डा० तहसीलदार सिंह,
पुलिस उप-अधीक्षक,
बाबा।

संभावना का विवरण जिसके लिए पदक प्रदान किया गया

1 फरवरी, 1990 को जब श्री अजय कुमार कुलश्रेष्ठ उप-निरीक्षक अथवा पुलिस कामिकों के साथ एक अपराधी श्रीमती लक्ष्मिनिया जिसकी कई मासलों में मजबूती थी, को गिरफ्तार करने के लिए गए हुए थे, तो उन्हें सूचना प्राप्त हुई कि अन्त-राष्ट्रीय गिरोह का नेता राम करम सिंह, अपने गिरोह के साथ लक्ष्मिनिया के घर में है। श्री कुलश्रेष्ठ ने आर्यान्त बल होने के बावजूद कार्रवाई शुरू कर दी लेकिन बल की कमी पूरा करने के लिए गाँव में कुछ लाइसेंसधारियों का एकत्र किया और 5.30 बजे पूर्वाह्न स्थल की ओर रवाना हुए। उन्होंने बल और लाइसेंसधारियों को तीन घंटों में विभाजित किया एक बल का नेतृत्व उन्होंने स्वयं किया और अन्य दो घंटों का नेतृत्व को उप-निरीक्षक द्वारा किया गया। श्री कुलश्रेष्ठ ने अपने बल के साथ श्रीमती लक्ष्मिनिया के घर के पश्चिम दिशा की ओर मोर्चा संभाला और अन्य दो घंटों ने श्रीमती लक्ष्मिनिया के घर के उत्तरी और दक्षिणी दिशा की ओर मोर्चा संभाला। इकैतों को पुलिस के पहुंचने का आभास होने पर श्री कुलश्रेष्ठ गम्भीर व्यक्तिगत खतरा उठाकर जयराम सिंह कान्स्टेबल के साथ इकैतों को बाहर निकालने के लिए घर में घुसे, जहाँ इकैतों ने उन पर गोलियाँ चलायी। श्री कुलश्रेष्ठ बल निकले लेकिन जयराम सिंह कान्स्टेबल की राइफल के दो दुकड़े हो गए और वे राइफल के दुकड़े होने के कारण खपलियों में जखमी हो गये। दोनों नेतृत्वात् मोर्चा संभाला और पुलिस कामिकों और लाइसेंसधारियों को स्थिति की गम्भीरता से सावधान किया और इकैतों को व्यस्त रखा और इस बीच पुलिस अधीक्षक बाबा को कुमुक भेजने के लिए आर.टी. संदेश भेजा गया।

श्री बी० एस० सिद्ध, पुलिस अधीक्षक बाबा, एक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, डा० तहसीलदार सिंह उप-पुलिस अधीक्षक, श्री उमाशंकर वर्मा, उप-निरीक्षक, श्री अजय कुमार, उप-निरीक्षक और आकस्मिक बल, जिसमें पूरी तरह से सुसज्जित पी० ए० सी० की एक प्लाटून सहित 8.00 बजे पूर्वाह्न स्थल पर पहुंचे जहाँ श्री कुलश्रेष्ठ ने स्थिति के बारे में श्री बी० एस० सिद्ध को बताया जिन्होंने कार्रवाई की बागडोर संभाली और पूरी तैनाती

को पुनर्गठित किया। श्री सिद्धू के नेतृत्व में पुलिस बल को वस दलों में विभाजित किया गया, एक दल ने श्री उमाशंकर वर्मा, उप-निरीक्षक के नेतृत्व में उत्तरी विभा की और मोर्चा सम्भाला, श्री कुलश्रेष्ठ के साथ डा० तहसीलवार सिंह, उप-पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में एक दल ने राम आसरे के घर की छत पर मोर्चा सम्भाला जबकि पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व वाले दल ने राम आसरे द्वारा अर्द्ध-निमित्त वीवार से पीछे मोर्चा सम्भाला। पुलिस बल की तैनाती के बाव भी सिद्धू ने इकैतों को आत्मसमर्पण करने के लिए स्वतंत्रता से किन्तु बचने में इकैतों ने एम० एल० आर० से सुआधार गोली चलाई लेकिन अपने फुरतीलेपन के कारण श्री सिद्धू सीधायबन बच गए। जब पुलिस दल की जवाबी गोली और आंसू गैस का इकैतों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा, श्री सिद्धू ने अपने कामिकों को हथगोला फेंकने का आदेश दिया जिसके परिणामस्वरूप घर की चास-मूस की छत में क्षण लग गई इसके बावजूब कुछ समय तक इकैत वहीं रहे और रुक-रुक कर गोली चलाने रहे। जैसे ही गोली-बारी कुछ समय के बिदे रुकी के उमाशंकर वर्मा स्थिति का जायजा लेने के लिए वीवार पर बढ़े लेकिन सुधीयबन श्री वर्मा अचानक गोली चलने से जखमी हो गए और आग में मुनगती छत में गिर पड़े। श्री सिद्धू डा० तहसीलवार सिंह और अन्य लागों की मदद से श्री वर्मा के झुलसे शरीर को निष्काज सके।

श्री सिद्धू डा० तहसीलवार सिंह, श्री ए० के० कुलश्रेष्ठ, श्री जयराम सिंह और अन्यो ने अपने जीवन के प्रति उत्पन्न गम्भीर खतरे को नजरअन्दाज करते हुए इकैतों के वस से निपटने के लिए दृढ़ प्रतीति से और इकैतों पर गोली चलाती जारी रखी। पुलिस अधिकारियों के इस निश्चय के अन्धे परिणाम निकले, और इकैतों को आंग में गोली-बारी अभिमत रूप से 300 अपराध बच हो गयी और अन्ध की छानबीन से पता चला कि तीन इकैत नामन. राम करन सिंह, राम पाल सिंह और जिला बाबा के राम पाल मून पाये गये।

इस मुठभेड़ में डा० तहसीलवार सिंह, पुलिस उप-अधीक्षक, बाबा ने उत्कृष्ट वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

यह पक्ष पुलिस पक्ष नियामकनी के नियम 4 (1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 6 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भवता भी दिनांक 1 फरवरी, 1990 से दिया जाएगा।

ए० के० उपाध्याय
निदेशक

मंत्रिमंडल सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 अप्रैल, 1991

संकल्प

सं० 55/9/1/88-संवि-भारत सरकार से मंत्रिमंडल सचिवालय के 31 अगस्त, 1990 की संकल्प सं० 55/9/1/88-संवि के द्वारा सरकार की हथि नीति तैयार करने और उसके कार्याचरण के मामलों से लगातार लगावता करने और सहाय देने के लिए एक स्थायी सहायकार समिति नियुक्त

की जिसमें मुख्य समुदाय के प्रतिनिधि शामिल किए गए। समिति ने हथि नीति को अंतिम रूप देने के लिए विचार किए जाने हेतु अपना सतर्क तैयार करने का काम पूरा कर लिया है। सरकार ने इस मामले की समीक्षा कर ली है और यह सहेनकर रखते हुए कि समिति प्रकटित कार्य को 15 मई, 1991 तक पूरा कर लैगी, यह निर्णय लिया कि समिति 15 मई, 1991 से अपना कार्य बंद कर देगी।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प की एक प्रति भारत सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों, सभी राज्य और संघ शासित क्षेत्र सरकारों, योजना आयोग, राष्ट्रपति सचिवालय, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, प्रधानमंत्री कार्यालय, भारत के नियंत्रक और महासूचना परीक्षक तथा हथि संचालन (हथि और सहायकारिता विभाग) के अधीन सभी संघ और अधीनस्थ कार्यालयों को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प को आम सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

वीपक शांत गुप्ता,
सयुक्त सचिव

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल 1991

संकल्प

सं० 2/1/81-एल० आई० सी० ए० ए०/ए०/ए० पी०-III-गृह मंत्रालय के संकल्प सं० 4/20/70-एल० (पी०) II आई० सी० ए० ए०/ए०/ए० पी० ए०-1 दिनांक 25 सितम्बर, 1974 के अनुसार अपराध शास्त्र और विधि विज्ञान संस्थान गृह मंत्रालय के अधीन एक पृथक संगठन के रूप में कार्य करता है। 5 मार्च, 1991 से यह निर्णय लिया गया है कि इस संस्थान का नाम बदलकर राष्ट्रीय अपराध शास्त्र एवं विधि विज्ञान संस्थान कर दिया जाए जो इस संस्थान के उद्देश्यों के अनुसार रहेगा।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों, निदेशक आसुक्तता ब्यूरो, सहायनिदेशक, केन्द्रीय आंच ब्यूरो, सहायनिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, निदेशक सरकार कालाज भाई वटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, सहायनिदेशक राष्ट्रीय अपराध शास्त्र एवं विधि विज्ञान संस्थान सहायनिदेशक, पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो, भारत सरकार के सभी मंत्रालय/विभाग।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को आम सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

आर० के० आर्थर,
सचिव

उद्योग मंत्रालय

(कर्मचारी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल 1991

सं० 27/8/81-सी० एल०-2-इस विभाग की अधिसूचना सं० 27/11/80-सी० एल०-2 दिनांक 8 अगस्त, 1980 का अतिरिक्त करने हुए तथा कर्मचारी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा प्राय 208 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा कर्मचारी कार्य विभाग

के श्री एस० के० समेत, उप निदेशक (निरीक्षण) को उक्त छात्र 208क के प्रयोजन के लिए प्राशिक्षित करनी है।

सं० 27/5/91सी०एन०-2—इस विभाग की सम संयुक्त अधिसूचना दिनांक 6 फरवरी, 1991 का अधिष्ठापन करते हुए तथा कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 208क की उपधारा (1) के अन्तर्गत (11) द्वारा प्रस्तुत शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार एतद्वारा कम्पनी कार्य विभाग के श्री हुनरी शिबई, निरीक्षक अधिकारी को उक्त छात्र 208क के प्रयोजन के लिए प्राशिक्षित करनी है।

के० एस० गुप्त,
अवर सचिव

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल 1991

शुद्धिपत्र

सं० एक० 8-8/87-यू०-3—विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 (1956 का 3) के अन्तर्गत जैन विश्वभारती, लाहौर (राजस्थान) को इस मंत्रालय की अधिसूचना सं० एक० 8-8/87-यू०-3 दिनांक 20 मार्च, 1991 द्वारा विश्वविद्यालय के समकक्ष घोषित किया गया था। जैन विश्वभारती के नाम के अन्तर्गत पर "जैन विश्वभारती संस्थान", लाहौर प्रतिस्थापित किया जाए।

ए० पी० साहू,
संयुक्त सचिव

रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 23 अप्रैल 1991

संकल्प

सं० ई०आर०सी०-1/81/21/1—यह संकल्प रेल मंत्रालय के 27 मार्च, 1991 के समसंयुक्त संकल्प के संदर्भ में है जो श्री रघुबीर सिंह पंहुवारी, भूतपूर्व संसद सचिव की अध्यक्षता के अखिल राष्ट्रीय स्तर पर मात्री सुविधा समिति का पुनर्गठन किए जाने के सम्बन्ध में है। रेल मंत्रालय ने आगे यह विनिश्चय किया है कि 27-4-1991 के उपर्युक्त संकल्प के पैरा 8 में यथा विनिश्चित समिति के विचारार्थ विधेयों का विस्तार किया जाए ताकि इसमें अनेक अतिरिक्त सर्वे शामिल की जा सकें।

तदनुसार, 27-3-1991 के समसंयुक्त संकल्प का मीजूवा पैरा 8 निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित कर दिया जाए।

"8 समिति के विचारार्थ विषय निम्नानुसार होंगे :—

- (क) आम सफाई और बालावरणीय हानि,
- (ख) पेयजल की प्रबंध-व्यवस्था,
- (ग) यात्रियों को सूचना देने के लिए मुद्दया की गई सुविधाएँ जैसे पुछताछ कार्यालय, जनउत्प्रेषण प्रणाली, तकनिकी बोर्ड आदि,
- (घ) रीढ़नी, पंखों तथा बिजली सम्बन्धी अन्य सुविधाओं की व्यवस्था करना,
- (ङ) मार्गजिक शौचालय, स्नानगृह, विश्राम कक्ष और प्रतीक्षालय जैसी जन सुविधाओं की व्यवस्था करना और उसका रख-रखाव करना,
- (च) प्लेटफार्मों पर बैंक, पहिया कुर्सी, स्टैंडर, सामान ढालियों जैसी सुविधाओं की व्यवस्था करना,
- (छ) यात्रियों के लिए आरक्षण और बुकिंग,

- (ज) सवारी डिब्बों और स्टेशन परिसरों में यात्रियों की सुरक्षा,
- (झ) रेलवे राजस्व में हानि,
- (ञ) यात्रियों के प्रति भिष्काचार पुनिश्चित करना,
- (ट) आत्म-दान सेवाएँ, और
- (ड) सौर्याश्रितों के लिए बेहतर सेवाएँ।

आवेदन

आवेदन दिया जाता है कि यह संकल्प मार्गजिक सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

के० डी० साहू,
संयुक्त सचिव (राजपत्रित), रेलवे बोर्ड

अम मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल 1991

संकल्प

सं० यू०-24012/6/90/आ० इन्फू०—दिनांक 24 जनवरी, 1991 को भारत के राजपत्र भाग-1, खंड-1 में प्रकाशित अम मंत्रालय के संकल्प संख्या यू०-24012/1/90-आ० इन्फू०, द्वारा पुनर्गठित और दिनांक 11 मार्च, 1991 को भारत के राजपत्र भाग-1, खंड-1 में प्रकाशित समसंयुक्त संकल्प द्वारा 31-5-1991 तक बढ़ाई गई राष्ट्रीय प्राचीन अम आयोग की अवधि को इसके द्वारा 31-5-1991 से 31 जुलाई, 1991 तक अगले दो महीने के लिए बढ़ाया जाता है।

2 तथापि, अन्य बातें अपरिवर्तनीय रहेंगी।

आवेदन

आवेदन दिया जाता है कि संकल्प को भारत के राजपत्र, भाग-1, खंड-1 में प्रकाशित किया जाए।

यह भी आवेदन दिया जाता है कि संकल्प की एक एक प्रति भारत सरकार के संज्ञासूचिका/विभागों, राज्य सरकारों/संघ शासित प्रशासनी और अन्य सभी सम्बन्धितों की भेजी जाए।

बी० पी० साहू,
सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल 1991

सं० न्यू०-18012/2/89-ई० एस० ए० (इन्फू० ई०)—केंद्रीय आर्थिक शिक्षा बोर्ड के नियमों और विनियमों के नियम 3 (1) के अन्तर्गत, भारत सरकार इस अधिसूचना द्वारा भारत सरकार के अम राज्य मंत्री को तत्काल प्रभाव से अगले आवेदन जारी किये जाने तक उक्त केंद्रीय आर्थिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में नामांकन करती है :—

2 तदनुसार भारत के राजपत्र के भाग-1, खंड-1 में दिनांक 25 जून, 1990 को प्रकाशित अम मंत्रालय के समसंयुक्त पर दशा संशोधित अधिसूचना संख्या न्यू०-18012/2/89-ई० एस० ए० (इन्फू० ई०) में निम्नलिखित संशोधन किये जाएं :—

कम संख्या 1 के साठवें वर्तमान प्रविष्टि के लिए, अर्थात्

"सी आर० पी० कृष्णदेव, अध्यक्ष भारत सरकार द्वारा 28, पांडी मार्केट, मीर हई रोड, नामजव"

नई दिल्ली-110002,"

निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जावे, अर्थात् —

"अम राज्य मंत्री अध्यक्ष भारत सरकार द्वारा भारत सरकार, नामजव नई दिल्ली"

ए० के० शर्मा,
निदेशक

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

लिपिक श्रेणी परीक्षा, 1991 के नियम

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1991

सं० 9/4/91-के०से० II — कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग, कर्मचारी चयन आयोग द्वारा मनु 1991 में निम्नलिखित सेवाओं/पदों (तथा उन अन्य सेवाओं/पदों के लिए, जो आयोग द्वारा परीक्षा के लिए आवेदन आमंत्रित करने वाले विज्ञापन में सम्मिलित किए जाएंगे) में अस्थायी भक्तियों को भरने के लिए ली जाने वाली प्रतियोगितात्मक परीक्षाओं के नियम भर्त्ताघारण की सूचना के लिए प्रकाशित किए जाते हैं :—

- (1) भारतीय विदेश सेवा(ख)ग्रेड-VI
- (2) रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा ग्रेड—
- (3) केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा—अवर श्रेणी ग्रेड
- (4) महासब सेवा मुख्यालय लिपिक सेवा—अवर श्रेणी ग्रेड
- (5) भारत के विभाजन आयोग में निम्न श्रेणी लिपिक के पद
- (6) संघीय कार्य मंत्रालय, नई दिल्ली में अवर श्रेणी लिपिक के पद
- (7) केन्द्रीय मतगणना आयोग में निम्न श्रेणी लिपिक के पद

उपरोक्त सेवाओं/पदों के लिए अधिमान, आयोग द्वारा केवल उन्हीं उम्मीदवारों से आमंत्रित किए जाएंगे जो लिपिक परीक्षा के परिणाम के बाद दृश्य परीक्षा में प्रविष्ट किए जाने के पात्र होंगे।

2 भारत सरकार द्वारा निर्धारित भक्तियों में भूतपूर्व सैनिक तथा अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों तथा प्रारोक्त रूप से विकलांग व्यक्तियों (केवल बहुरे तथा प्रारोक्त रूप से विकलांग व्यक्ति) के लिए आरक्षण किया जाएगा।

3 (क) "भूतपूर्व सैनिक" से आशय उस व्यक्ति से है, जिसने भारतीय संघ के नियमित बल सेवा, जल सेवा एवं वायु सेवा में लड़ाई अथवा गैर-लड़ाई सैनिक के रूप में किसी भी पद पर सेवा की हो, तथा

(ख) जो पेंशन प्राप्त हो जाने के बाद उस सेवा में निवृत्त हुआ हो, अथवा

(ख) जो सैनिक सेवा के लिए स्वीकार्य दोग अथवा उसके नियतन में बाहर की परिस्थितियों के आधार पर उस सेवा से निवृत्त कर दिया गया हो तथा जिसे मेडिकल अथवा अन्य अक्षमता पेंशन दी गई हो, तथा

(ग) जिसे कर्मचारियों की कटौती के परिणामस्वरूप उस सेवा में अपने अनुरोध के अलावा किसी अन्य आधार पर नियुक्त किया गया हो, अथवा

(घ) जो आरक्षण की विशिष्ट अवधि का पूरा करने के बाद, अपने अनुरोध अथवा पूर्वाचरण अथवा अनुसूचित के कारण के बिना सेवा में बर्खास्त अथवा मेकासुक्त किया गया हो तथा जिसे सेवा-उपदान (सेन्पुटी) दी गई हो, इसमें प्रादेशिक सेवा की निम्नलिखित श्रेणियों के कर्मचारी शामिल हैं :—

- (1) निरंतर मूल सेवा के पेंशनधारी,
- (2) सैनिक सेवा के दौरान हुई अक्षमता वाले व्यक्ति, तथा
- (3) वीरता पुरस्कार विजेता।

(ख) अनुसूचित जाति/जनजाति से तात्पर्य भारतीय संविधान में उल्लेखित किसी भी जाति/कबीले से है। अनुसूचित जाति आदेश 1950, संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश, 1950 संविधान (अनुसूचित) संघ राज्य क्षेत्र, आदेश 1951, संविधान (अनुसूचित जनजाति) संघ राज्य क्षेत्र आदेश, 1951 (अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति सूचियां(संशोधन) आदेश 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960 पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 तथा उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति (संशोधन अधिनियम 1976 द्वारा यथा संशोधित) संविधान (जम्मू तथा कश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश, 1956, संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जनजाति आदेश 1959 अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आदेश (संशोधन अधिनियम 1976 द्वारा यथा संशोधित संविधान (वाक्का और नागर हवेली) अनुसूचित जनजाति आदेश 1962 संविधान (पंडिचेरी) अनुसूचित जाति आदेश 1964 संविधान (अनुसूचित जनजाति) (उत्तर प्रदेश) आदेश 1967 संविधान (गोआ, दमन और दीव) अनुसूचित जाति आदेश 1968, संविधान गोवा, दमन और दीव (अनुसूचित जनजाति आदेश, 1968 तथा संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जनजातियां आदेश, 1970 अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976, संविधान (मिज़ोरम) अनुसूचित जाति आदेश, 1976, संविधान (मिज़ोरम) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1978, समय-समय पर संशोधित संविधान (जम्मू एवं कश्मीर) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1989।

(ग) शास्त्रीय रूप से विकलांग व्यक्ति से अभिप्राय निम्नलिखित श्रेणियों से से किसी से भी संबद्ध व्यक्ति से है :—

(क) बहुरे बहुरे व्यक्ति ऐसे व्यक्ति हैं जिसकी जीवन के सामान्य प्रयोजन के लिए सुनने का दोष न हो, उच्च

खर से बोझने पर भी वे न तो बिलकुल सुन सकते हैं और न छवि को समझ सकते हैं। इस वर्ग में ऐसे मामलों की शक्ति है जो ठीक कान (गंभीर रूप से असमर्थ) 90 डेसीबल से अधिक नहीं सुन सकते हैं अथवा दोनों कानों से पूर्ण रूप से नहीं सुन सकते हैं।

(ख) प्राणोदिक रूप से विकसित प्राणोदिक रूप से विकसित ऐसे व्यक्ति जिन्हें कम से कम 40 प्रतिशत प्राणोदिक रूप से विकसित और विभिन्न हों, जिसमें हड्डी, पेशियों तथा जोड़ों के सामान्य रूप से कार्य करने में बाधा पैदा होती हो।

कर्मचारी स्वयं आयुष्य द्वारा इस परीक्षा का संचालन
इस नियमों के परिशिष्ट ४ में विहित विधि से किया
जाएगा। परीक्षा की नारीख और स्वयं आयुष्य द्वारा
निर्धारित किए जाएंगे।

4. यह आश्चर्य है कि जम्मीयवार या तो---

- (क) भारत का नागरिक हो, या
(ख) नेपाल की प्रजा, या
(ग) भूटान की प्रजा, या

(ब) ऐसा निम्नलिखित शर्तों पर हो, जो भारत में व्यापारिक रूप से पकड़ने की इच्छा से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत में आ गया हो, या

(क) ऐसा मूल भारतीय व्यक्ति हो, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, ओरेंका तथा पूर्वी अफ्रीकी देशों केम्या, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तं तानिया (भूतपूर्व टांशानिका व जंजीबार) जाम्बिया, मलावी, जाम्बे, इथोपिया और वियतनाम से आया हो।

(1) परन्तु ऊपर की श्रेणी (ख), (ग), (घ) और (ङ) से संबंधित उम्मीदवारों के पास भाषण सरकार द्वारा उनके नाम दिया गया पाठ्यता प्रमाण-पत्र होना चाहिए।

(2) परन्तु यह भी शर्त है कि ऊपर की श्रेणी (ख), (ग) तथा (घ) से संबंधित उम्मीदवार भारतीय विदेश सेवा (ख) ग्रेड-8 में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होंगे।

किसी ऐसे उम्मीदवार को जिसके मामले में पाठ्यता प्रमाण-पत्र आवश्यक है, परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है, परन्तु उसे नियुक्ति पत्र सही दिया जा सकता है जब उसे वह सलाह/विभाग आवश्यक प्रमाण-पत्र लेने दे जो उस पत्र से सम्बन्ध है जहाँ उम्मीदवार की नियुक्ति की संभावना हो।

5 (1) हम परीक्षा में बैठने के लिए जरूरी है कि पद्मलता अगस्त, 1991 को उम्मीदवार की आयु पूरे 18 वर्ष की हो गई हो और पूरी 25 वर्ष की न हुई हो, अर्थात् उम्मीदवार 2 अगस्त, 1966 से पहले और पद्मलता अगस्त, 1973 के बाद न हुआ हो।

(ख) उन भुसपूर्व सैनिकों के मामले में जो उसका पैरा 3(क) से की गई निर्धारित शर्तों को पूरा करते हों, उन्हें अपनी वास्तविक आय में वे सैनिक सेवा की अवधि घटाने की अनुमति होगी किन्तु यह परिणामी आय निर्धारित आय सीमा से 3 वर्षों के पक्ष में नहीं होनी चाहिए।

इस आयु कूट के अधीन परीक्षा में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवार भूतपूर्व सैनिकों के लिए अतिरिक्त अवसर अनारक्षित सभी शिक्षितों के लिए प्रतियोगी होने के लुभकार होंगे।

टिप्पणी—। ऐसे भूतपूर्व सैनिक, जिन्होंने भूतपूर्व सैनिकों के पुनर्निर्माण हेतु वेब लामो को प्राप्त करके पत्थर की नगराण मेच में भरकारी शोषण प्राप्त कर लिया है।
 ५ आयु सीमा में छठ पाने के पात्र नहीं हैं।

टिप्पणी-५ : उपरोक्त नियम ५(ख) के प्रयोजन के लिए किसी अनपूर्व कर्मचारी की मरान्तर सेना में आवानुन गर सेवा (काल आफ सर्विस) की अवधि भी मरान्तर सेना में की गई सेवा के रूप में गमनी जाएगी ।

टिप्पणी-3 : आरक्षण की प्रसुधियाओं को प्राप्त करने के प्रयोजन से संघ की तीनों मशरूत रोनाओं के किसी भी सैनिक को भूतपूर्व सैनिक के रूप में माने जाने के लिए यह आवश्यक है कि उसने पद/सेवा के लिए अपना आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के संगत समय पर भूतपूर्व सैनिक पत्र कर्मी पहले ही प्राप्त कर लिया होगा तथा, अथवा वह मशरूत प्राधिकारी से प्राप्त वस्तावेजी साक्ष्य द्वारा हज़ारों को अधिकार देने की स्थिति में होगा कि वह अपने कार्य के पूरा होने की एक वर्ष की निश्चित अवधि के भीतर मशरूत रोनाओं से कार्यमुक्त/सेवासुक्त हो जाएगा (हम प्रयोजन के लिए आवेदन-पत्र जमा करने की तारीख प्राप्तिक है)। इस संबंध में उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाणपत्र/वचन का प्रपत्र अनुबंध में दिया गया है (मासिक और प्राशिक्षण विभाग के दिनांक 3-1-81 के कार्यालय ज्ञापन संख्या 36034/2/81-न्याय (अनु. 34) के पैरा 2 के अनुसार)।

व्याप्टीकरण : संघ की वषाहत सेनाओं में काम कर रहे व्यक्ति, जो सेना नियुक्ति के पश्चात् भूतपूर्व सैनिक की श्रेणी को प्राप्त करेंगे, को आबन्ध की विधिगत अवधि से एक वर्ष पहले पुनर्नियोजन के लिए आवेदन करने तथा भूतपूर्व सैनिकों को प्राप्त होने वाले सभी रियायतों को प्राप्त करने की अनुमति होना चाहती है, किन्तु उनके संघ की वषाहत सेनाओं से आबन्ध की विधिगत अवधि को पूरा करने तक जबी उधारने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

(ग) इन सभी मामलों में उपरलिखित ऊपरी आयु सीमा में निम्नलिखित और छूट होंगी :—

(1) यदि किसी प्रकार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति या हो तो अधिक से अधिक 5 वर्षों तक।

- (2) यदि उम्मीदवार श्रीलंका में वास्तविक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूल का व्यक्ति हो और अक्तूबर 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रवेश किया हो या करने वाला हो तो अधिकांश से अधिक 3 वर्ष तक।
- (3) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का हो और श्रीलंका में वास्तविक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूल का व्यक्ति हो तथा अक्तूबर 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद भारत में प्रवेश किया हो या करने वाला हो तो अधिकांश से अधिक 8 वर्ष तक।
- (4) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही और शांति-कार्य दोनों के दौरान शामिल होने के फलस्वरूप सेवा से मुक्त किया गया रहा नासिकों को अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।
- (5) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान शामिल होने के फलस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किए गए ऐसे रहा नासिकों के लिए जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के हों तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।
- (6) यदि उम्मीदवार शारीरिक रूप से विकलांग हो अर्थात् जिसका कोई अंग विकृत है तो अधिकांश से अधिक 10 वर्ष (अनुसूचित जातियों व जनजातियों के उन उम्मीदवारों के लिए जो शारीरिक रूप से विकलांग भी हैं शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों को मिलने वाली 10 वर्ष की आयु छूट उन्हें खण्ड (1) के अन्तर्गत मिलने वाली आयु छूट के अतिरिक्त होगी)।
- (7) ऐसी शिथिलताओं तथा कण्टा महिलाओं और न्यायिक तौर पर अपने पतियों से अलग हुई महिलाओं के मामले में जिन्होंने पूर्वाधिकार नहीं लिया है 35 वर्ष की आयु (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के लिए 40 वर्ष तक)।
- (8) भूदान के द्वारा विद्युत परियोजना प्राधिकरण के उन छंटनी किए गए कर्मचारियों को जो सीधी भर्ती से आये थे ऊपरी आयु सीमा में उनके द्वारा प्राधिकरण से की गई नियमित सेवा के बराबर छूट दी जाएगी (छंटनी किए गए कर्मचारियों की नियमित सेवा की अवधि का

निर्धारण बुद्धि विद्युत परियोजना प्राधिकरण द्वारा जारी किए गए प्रमाण-पत्र के आधार पर किया जाएगा)।

- (9) नासिक एवं प्रशिक्षण विभाग के कार्यालय ज्ञात संख्या 49014/16/89-स्थापना (सी) दिनांक 16-7-90 के अनुसार समूह "ग" की सेवाओं में लगे अभिमत कर्मचारियों की ऊपरी आयु सीमा में उनके द्वारा केन्द्र सरकार के संचालन/विभाग या इसके तन्मध्य/अधीनस्थ कार्यालय में की गई सेवा की अवधि तक की छूट केवल एक बार निम्न शर्तों के अधीन दी जाएगी —
- (1) अनियत कर्मचारी दिनांक 16-7-1990 को किसी सरकारी कार्यालय में अवस्थित न्युक्त रहा हो।
- (2) पिछले दो कैम्पडर वर्षों में उसने सेवा के 240 दिन (जिन कार्यालयों में 5 दिन का भ्रमण होता हो वहाँ 206 दिन) की सेवा अवश्य पूरी कर ली हो।
- (3) उनकी इन शिथिलताओं के नियम 6 में निर्दिष्ट शिथिलता अर्हता होती चाहिए।

उपरोक्त छूट केवल इन वर्षों की परीक्षा के लिए है।

टिप्पणी : यह सुनिश्चित करना उक्त प्रत्यावर्तित मरणावधि/विभागों की जिम्मेवारी है जहाँ अनियत कर्मचारी नियुक्त हैं कि वह अनियत कर्मचारी जो कर्मचारी अथवा आयोग द्वारा आयोजित इस परीक्षा में दाखल होता है वह उपरोक्त सभी निर्धारित शर्तों को पूरा करता है। ये प्रमाण-पत्र ऐसे अधिकारियों के हस्ताक्षर से निर्गत किए जाएंगे जो उपर्युक्त/तमकक्ष से निम्न पद पर हैं। यदि ये प्रमाण-पत्र संलग्न नहीं किए जाएंगे तो अनियत कर्मचारी के प्राथमिक पत्र आयोग द्वारा अस्वीकृत किए जा सकेंगे।

(ब) उक्त ऊपरी आयु सीमा में उन व्यक्तियों के मामले में 40 वर्ष (अनुसूचित जाति/जनजाति के मामलों में 45 वर्ष तक की आयु छूट दी जाएगी जो भारत सरकार के विभिन्न विभागों में तथा नियमित आयोग के कार्यालयों में निपिकों/सहायकों/मकानों/अध्याय रक्षकों के पदों पर नियमित रूप से नियुक्त हैं और 1-8-91 को जिनको निपिकों के रूप में कम से कम 3 वर्ष की निरन्तर सेवा की है और उसी रूप में कार्य करते आ रहे हैं।

(इ) ऊपरी आयु सीमा में सैनिक निपिकों को 45 वर्ष की आयु तक की छूट दी जाएगी जो सशस्त्र सेना में आती कलर सेवा के अंतिम वर्ष में है अर्थात् जो सेना में 2 अगस्त, 1991 से पहली अगस्त, 1992 की अवधि में निवृत्त होने वाले हैं। ऐसे उम्मीदवारों में किसी ऐसी नियुक्ति के पत्र नहीं होते हैं।

परन्तु शर्त यह है कि उक्त आयु की छूट के अन्तर्गत परीक्षा में प्रसिद्ध उम्मीदवारों की केवल सशस्त्र सेना

मुख्यालय तथा अल्पसंख्यक संगठनों के लिए स्थानों के लिए हों, जो भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित नहीं हैं, प्रतियोगिता के पात्र होंगे।

(न) उन टेलीफोन आपरेटरों के लिए कोई ऊपरी आयु सीमा नहीं होगी, जो बिना पक्षी अंगुली, 1991 को विशेष मंत्रालय में नियुक्त होंगे और जिनकी नियुक्ति यथावत जारी है।

(घ) कामिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के निर्माण 1-7-1983 के कार्यालय आपन संख्या 12011/15/81-स्थापना (ख) के अनुसार उन स्टाफ कोर ब्राइवरों के लिए 35 वर्ष तक की ऊपरी आयु सीमा में छूट दी गई है, जो अवर श्रेणी निधिकों के पद पर नियुक्ति के लिए शैक्षिक रूप से अर्हता रखते हैं और जिन्होंने उक्त ग्रेड में कम से कम 3 वर्ष की नियमित सेवा कर ली हो।

टिप्पणी—1 डाक विभाग के अधीनस्थ कार्यालयों में नियुक्त भ्रष्ट डाक छुड़ाकारों की सेवा उपर्युक्त नियम 5(घ) के प्रयोजन के लिए निधिक क ग्रेड में की गई मानी जाएगी।

टिप्पणी—2 : यदि किसी उम्मीदवार की उपर्युक्त नियम 5(घ) नियम 5(ङ) और नियम 5(छ) में उल्लिखित आयु संबंधी शिकायतों के अन्तर्गत परीक्षा में बैठने दिया गया हो और यदि आवेदन पत्र देने के बाद परीक्षा में बैठने में पहुंचने या बाध में, वह नौकरी में त्यागपत्र दे दे या उसके विभाग द्वारा उनकी सेवाएं समाप्त कर दी जाएं, तो उसका उम्मीदवारी रद्द की जा सकती है, लेकिन यदि आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के बाद सेवा या पद में उनकी छुट्टी हो जाए तो वे पात्र बने रहेंगे।

टिप्पणी—3 : कोई निधिक जो मक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से किसी निर्देशन पत्र (एक्स कैंचर पोस्ट) पर प्रतिनियुक्त हो, तो वह परीक्षा में बैठने का पात्र होगा।

टिप्पणी—4 : विशेष मंत्रालय में कार्य कर रहे स्पाई अथवा स्पाई टेलीफोन आपरेटर इस परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे परन्तु किसी टेलीफोन आपरेटर को परीक्षा पास करने के लिए दो से अधिक अवसर प्रदान नहीं किए जाएंगे।

टेलीफोन आपरेटर जो मक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से अन्य असंवर्ग पदों पर प्रतिनियुक्ति पर हों, वे इस परीक्षा में प्रवेश के पात्र होंगे यदि वे अन्य प्रकार से पात्र हों। यह उन व्यक्ति पर भी लागू होगा जो किसी अन्य असंवर्ग पद स्थानान्तरण पर किसी अन्य सेवा में नियुक्त किया गया है, यदि उस समय टेलीफोन आपरेटर के पद में उसका पुनर्स्थापिकार है।

टिप्पणी—5 : जहां तक इस नियम की उक्त श्रेणी (छ) के अन्तर्गत आने वाले व्यक्तियों का संबंध है, वह परीक्षा अर्हक होगी, प्रतियोगितात्मक नहीं। उसको टंकण परीक्षा में नहीं बैठना होगा जो इस परीक्षा का एक भाग

है। उन्होंने पहले से टंकण परीक्षा पास नहीं कर रखी होगी तो उन्हें इस आयोग द्वारा भी गई कोई आवर्ती टंकण परीक्षा निम्न श्रेणी निधिक के रूप में उसकी नियुक्ति की तारीख से एक वर्ष के अन्दर पास कर ली होगी। यदि यह परीक्षा पास नहीं करेंगे तो उन्हें कोई नाविक भेलन-पुडि नहीं दी जाएगी जब तक कि वे कथित परीक्षा पास नहीं कर लेंगे।

आयोग द्वारा अनुशसित टेलीफोन आपरेटर केवल भारतीय विशेष सेवा(ख) ग्रेड-6 में लिये जाएंगे।

ऊपर बताई स्थितियों के अलावा निर्धारित आयु सीमाओं में किसी हानन में छूट नहीं दी जाएगी। “भूतपूर्व सैनिक के पुत्रों तथा पुत्रियों” तथा “पिछड़े वर्ग” से संबंधित व्यक्तियों को आय में कोई रियायत देय नहीं है।

6. भारत में केन्द्रीय अथवा राज्य विधान मन्चन के किसी अधिनियम द्वारा नियमित किसी विश्वविद्यालय की सैद्धिक की परीक्षा अथवा माध्यमिक विद्यालय उच्च विद्यालय के अन्त में किसी राज्य शिक्षा बोर्ड द्वारा ली जाने वाली परीक्षा या कोई अन्य प्रमाणपत्र जो उस राज्य सरकार/भारत सरकार द्वारा सेवाओं में प्रवेश के लिए सैद्धिक प्रमाणपत्र के समकक्ष माना जाता है वह परीक्षा उम्मीदवारों द्वारा 1 अगस्त, 1991 तक आवश्यक पास की होनी चाहिए।

टिप्पणी—1 : यदि कोई उम्मीदवार किसी ऐसी परीक्षा में बैठा हो जिसके पास करने में वह आयोग परीक्षा के लिए शैक्षिक रूप से पात्र हो जाएगा परन्तु जिसका परिणाम उसे नूचित न किया गया हो तथा ऐसा भी उम्मीदवार जो किसी ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठने का विचार कर रहा हो, वह आयोग की परीक्षा में प्रवेश का पात्र नहीं होगा।

टिप्पणी—2 : कुछ विशेष मामलों में जहां कि उम्मीदवार के पास उक्त नियमों के अनुसार कोई उपाधि नहीं है केन्द्रीय सरकार उसे अर्हता प्राप्त उम्मीदवार मान सकती है बशर्ते कि वह उस स्तर तक अर्हता प्राप्त हो जो इस सरकार की राय में परीक्षा में प्रवेश करने के लिए यथोचित है।

7. (1) जिस व्यक्ति से :—

- (क) ऐसे व्यक्ति से विवाह अनुबंध किया है, जिसका/जिसकी पति/पत्नी जीवित है, या
- (ख) जिसने जीवित पति या पत्नी के होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है, तो वह सेवा में नियुक्ति के लिए तब तक पात्र नहीं माना जाएगा।

बशर्ते केन्द्रीय सरकार संतुष्ट न हो जाए कि ऐसे व्यक्ति का विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू वैयक्तिक कानून के अनुसार ऐसा विवाह स्वीकार है तथा ऐसा करने के

अस्य कारण हैं और जब तक उसको इस नियम से छूट न दें।

(2) जिस व्यक्ति ने विदेश राष्ट्रिक से विवाह किया है, वह भारतीय विदेश सेवा (व्) ग्रेड-6 की नियुक्ति के पात्र नहीं माना जाएगा।

8. जो उम्मीदवार पहले से स्थायी या अस्थायी रूप से सरकारी नौकरी पर हो वह परीक्षा में बैठने के लिए सीधे आवेदन कर सकता है परन्तु उसे टंकण परीक्षा में बैठने की अनुमति से पहले अपने कार्यालय से एक "असापलि प्रमाण-पत्र" लेना होगा।

9. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि में स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो सक्षित सेवा/पद के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक निभाने में बाधक हों। यदि सक्षम प्राधिकारी द्वारा विहित डाक्टरी परीक्षा के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह ज्ञान हुआ कि वह इन श्रेष्ठियों को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। केवल उन्हीं उम्मीदवारों की डाक्टरी परीक्षाएँ जाएँगी जिन पर नियुक्ति के लिए विचार किए जाने की संभावना होती।

टिप्पणी : अंशकत प्रत्यूष रक्षा व्यक्तियों/कामियों के मामले में रक्षा सेवा के सैन्य विषयक डाक्टरी बोर्ड (डीमाइन्डाइजेशन मेडिकल बोर्ड) द्वारा दिया गया स्वस्थता प्रमाण-पत्र नियुक्ति के प्रयोजन के लिए पर्याप्त समझा जाएगा।

10. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

11. किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक उसके पास आयोग का प्रवेश-पत्र न हो।

12. भण्डार सेवा में नियुक्त प्रत्यूष सैनिक तथा जिनके आयोग के विस्थापन के अन्तर्गत श्रुत की छूटकी गई है, को छोड़कर सभी उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क देना होगा।

13. यदि उम्मीदवार ने अपनी उम्मीदवारी के लिए किसी प्रकार की सहायता प्राप्त करने का प्रयत्न किया तो उसे परीक्षा में प्रवेश के लिए अयोग्य माना जा सकता है।

14. यदि किसी उम्मीदवार को आयोग द्वारा निम्न-लिखित बातों के लिए दोषी घोषित कर दिया जाता है या कर दिया गया हो कि उन्हीं :—

(1) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा

(2) नाम बरतकर परीक्षा दी है, अथवा

(3) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप में कार्य साधन कराया है, अथवा

(4) जागी प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किये हैं जिनमें तथ्यों को छिपाया गया हो, अथवा

(5) गलत या छूटे विवरण दिये हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाया है, अथवा

(6) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा

(7) अंशकत सामग्री निखरता जिसमें आलेख में अश्लील भाषा या अश्लील सामग्री भी शामिल है, या

(8) परीक्षा भवन में अनुचित तरीके अपनाये हैं, अथवा

(9) परीक्षा भवन में किसी भी तरीके से अनुचित आचरण किया है, अथवा

(10) आयोग द्वारा अपनी परीक्षाएं आयोजित करने के लिए उसके द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को तंग करना अथवा शारीरिक रूप से हानि पहुंचाना, अथवा

(11) उम्मीदवारों को परीक्षा में बैठने की अनुमति देने वाले उनके प्रवेश-प्रमाणपत्रों के साथ, उम्मीदवारों को जारी किए गए जिनहीं अपुष्टों का उत्खनन करने, अथवा

(12) उपर्युक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को किसी प्रतिबद्धता अथवा जैसा भी मामला हो, किसी भी प्रकार अपेक्षित करने का प्रयत्न किया है तो उस पर अपराधिक अभियोग चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे —

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से, जिसका वह उम्मीदवार है, बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है; अथवा

(ख) उसे अस्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए—

(1) आयोग द्वारा की जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन से या

(2) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी से वार्जित किया जा सकता है, और

(ग) उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है यदि वह पहले से सरकारी नौकरी में हो।

15. परीक्षा के बाद पैरा 1 में उल्लिखित सेवाओं/पदों के लिए प्रतियोगिता करने वाले उम्मीदवारों को जो

टंकण परीक्षा में पास होंगे अथवा जिनको उसमें छूट मिल जाएगी लिखित परीक्षा में प्रवेश: उम्मीदवार को अंतिम रूप में दिए गए कुछ अंकों के आधार पर, यन्त्र श्रेष्ठता क्रम में रखा जाएगा तथा उसी क्रम में जितने उम्मीदवार आयोग द्वारा परीक्षाओं में पास हुए जाएं उनके अनारक्षित रिक्तियों को निर्धारित संख्या तक नियुक्ति के लिए सिफारिश की जाएगी।

आगे यह भी धर्त है कि किसी भी अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों की, अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित स्थानों की संख्या तक, आयोग निर्धारित सामान्य स्तर में रियायत देकर, नियुक्ति के लिए सिफारिश पर मरता है बशर्ते कि वे सेवा में चुने जाने के योग्य हों।

आगे यह भी धर्त है कि अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों, जिनकी आयोग द्वारा इस उप-नियम में उल्लिखित शिथिल मानवर्णों या सहारा दिए बिना सिफारिश की जाती है, अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित रिक्तियों में समाधोषित नहीं किया जाएगा।

लेकिन यह भी धर्त है कि भूतपूर्व सैनिकों अथवा शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों के लिए निर्धारित आरक्षित रिक्तियों की संख्या सामान्य स्तर के अनुसार ना भरी गई तो उनके लिए आरक्षित स्थानों की पूर्ति के लिए आयोग निर्धारित सामान्य स्तर में रियायत देकर भी भूतपूर्व सैनिकों अथवा शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों के लिए आरक्षित स्थानों की संख्या तक परीक्षा में उनकी योग्यता क्रम के स्थान का ध्यान लिए बिना ही उनकी नियुक्ति के लिए सिफारिश कर सकता है, बशर्ते की वे सेवा में चुने जाने योग्य हों।

16. परीक्षा परीणाम के आधार पर नियुक्तियां करने समय किसी उम्मीदवार द्वारा टंकण परीक्षा में प्रवेश के समय विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए बताई गई प्राथमिकताओं का समुचित ध्यान रखा जाएगा।

17. हर एक उम्मीदवार को परीक्षा फल की सूचना किस रूप में तथा किस प्रकार दी जाए इसका निर्णय आयोग अपने विवेकानुसार करेगा और आयोग परीक्षा फल के सम्बन्ध में उससे कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।

18. आवश्यक जांच के बाद जब तक सरकार मन्तुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार इस सेवा/पद पर नियुक्ति के लिए हर प्रकार से उपयुक्त है तब तक परीक्षा में पास हो जाने मात्र से नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता।

करनार सिंह
अवर सचिव

परिशिष्ट—I

परीक्षा दो भागों में की जाएगी अर्थात् भाग-I लिखित परीक्षा और भाग-II टंकण परीक्षा।

भाग-I—लिखित परीक्षा :—लिखित परीक्षा के विषय, परीक्षा के लिए अनुमत समय और अन्य विषय के पूर्णतः इस प्रकार होंगे :—

प्रश्न-पत्र संख्या	विषय	पूर्णांक	अनुमत समय
1.	सामान्य बुद्धिमत्ता	50	40 मिनट
2.	अंग्रेजी भाषा	50	
3.	संख्यात्मक अभिरुचि	50	
4.	शिविकीय अभिरुचि	50	
	कुल	200	

टिप्पणी :—सभी चारों विषयों के प्रश्न “वस्तुनिष्ठ बहु-विकल्प प्रकार” के होंगे। उम्मीदवारों द्वारा सभी चारों विषयों में, अलग-अलग रूप में अर्हता प्राप्त करना अनिवार्य होगा। आयोग अपने विवेकानुसार सभी चारों विषयों की परीक्षा के न्यूनतम अर्हक (क्वालीफाइंग) अंक निर्धारित कर सकता है।

भाग-II—टंकण परीक्षा :—टंकण परीक्षा में लगातार टाइप करने की सामग्री (रॉमिंग मैटर) का एक 10 मिनट की अवधि का पेपर होगा।

2. टंकण परीक्षा अर्थात् परीक्षा की योजना के भाग-II में बैठने के लिए, केवल वही उम्मीदवार पास होंगे जो ऊपर उल्लिखित चारों विषयों में उत्तीर्ण होने के साथ-साथ लिखित परीक्षा में आयोग के विवेकानुसार निर्धारित किया गया एक न्यूनतम मानक प्राप्त करेंगे।

3. परीक्षा के नियमों के नियम 15 के अनुसार केवल वे ही उम्मीदवार नियुक्ति के लिए सिफारिश के पास होंगे जो अंग्रेजी में कम से कम 30 शब्द प्रति मिनट की गति से अथवा हिन्दी में कम से कम 25 शब्द प्रति मिनट की गति से टंकण परीक्षा पास करेंगे। (यह विदेश मंत्रालय में नियुक्त टेलीफोन आपरेटर के मामले में लागू नहीं होता)।

टिप्पणी :—जो उम्मीदवार किसी शारीरिक अशक्तता के कारण टंकण परीक्षा पास करने के लिए स्थायी रूप से अयोग्य होने का दावा करता है उसे अध्यक्ष, कर्मचारी चयन आयोग के पूर्वानु-मोचन से इस परीक्षा के देने और पास करने की धर्त में छूट दी जा सकती है बशर्ते कि ऐसे उम्मीदवार को जब टंकण परीक्षा देने के

लिए कहा जाए तो वह सक्षम चिकित्सा प्राधिकारी अथवा नियमित भर्जन से (निर्धारित प्रणाली में) एक प्रमाण-पत्र आयोग को प्रस्तुत करें जिसमें उसकी किसी शारीरिक अक्षमता के कारण उसे टंकण परीक्षा पास करने के लिए स्थायी रूप से अयोग्य घोषित किया गया हो ।

4. उम्मीदवारों को टंकण परीक्षा के लिए अपनी टाईप मशीन जानी होगी । स्टैन्डर्ड साईज के रोमर वाली मशीन टाईप के लिए काम में आयेगी ।

5. उम्मीदवारों को स्पष्ट होगी कि टंकण परीक्षा द्वितीय (देवनागरी लिपि) में दें अथवा अंग्रेजी में ।

6. द्वितीय (देवनागरी लिपि) में टंकण परीक्षा में बैठने का विकल्प देने के दृष्टिकोण उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्र में उक्त करने की अपनी इच्छा निवेदित करनी चाहिए, नहीं तो यह मान लिया जाएगा कि वह अंग्रेजी में टंकण परीक्षा में बैठेगा । एक बार दिया गया विकल्प अन्तिम माना जाएगा और विकल्प में कोई परिवर्तन करने के किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा । जिस भाषा की टंकण परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार ने अपना विकल्प दिया हो, उसमें स्पष्ट भाषा की टंकण परीक्षा में बैठने पर कोई श्रेय नहीं दिया जाएगा ।

7. लिखित परीक्षा का पाठ्यक्रम इस परिशिष्ट की अनुसूची में शामिल आयेगा ।

8. उम्मीदवार प्रश्न-पत्र स्वयं अपने हाथ से लिखेंगे । किसी भी परिस्थिति में उन्हें अपने प्रश्न-पत्रों को लिखने के लिए किसी लेखक की सहायता अनुज्ञेय नहीं होगी ।

9. आयोग अपने विवेकानुसार परीक्षा के किसी एक विषय अथवा सभी विषयों में अर्हक अंक निर्धारित करेगा ।

अनुसूची

भाग—I—लिखित परीक्षा में सम्मिलित विषयों का पाठ्यक्रम

1. सामान्य बुद्धिमत्ता—इस परीक्षा में दिये जाने वाले प्रश्न अभुदेशों को समझने, सम्बन्ध, समानताएं सुसंगति निर्धारित करने, निष्कर्ष निकालने और इसकी प्रकार के वीक्षक कार्यक्षमताओं पर आधारित करेंगे ।

2. अंग्रेजी भाषा—इस परीक्षा में प्रश्न अंग्रेजी भाषा के शब्द ज्ञान, व्याकरण वाक्य गठन, पर्यायवाची, विलोम आदि के ज्ञान का प्रत्याकन करने के लिए तैयार किए जायेंगे । इस प्रश्न-पत्र में एक प्रश्न अपठित गद्यांश का होगा ।

3. सख्यात्मक अभिरुचि—प्रश्न इस तरह तैयार किए जायेंगे जिससे कि सम्पूर्ण संख्याओं, वृणमन्त्रों और भिन्नो तथा सख्याओं के बीच सम्बन्ध के बारे में अंकगणित

सम्बन्धी गणना की योग्यता की परीक्षा की जा सके प्रश्न अंकगणित की जटिल गणनाओं पर नहीं बल्कि संकयणित सम्बन्धी अवधारणों तथा संख्याओं के बीच सम्बन्ध पर आधारित होंगे ।

4. भिषिनीय अभिरुचि—यह परीक्षा उम्मीदवार की प्रत्यक्ष-ज्ञानात्मक श्रुति तथा अभिरुचि की जांच करने के उद्देश्य में तैयार की गई है । यह ऐसी योग्यता है जिसमें नामों और संख्याओं के सुझावों की समानता तथा भिन्नता का पता चलता है । भिषिनीय अभिरुचि में सम्बन्धित प्रश्नों में प्रत्यक्षानुभवक श्रुति तथा अभिरुचि के प्रत्यावा फार्मिंग संश्लेषण सुषक तैयार करने आदि जैसे ऐसी दृश्य के कार्यवाही कामकाज निपटाने की योग्यता की भी जांच की जाएगी ।

परिशिष्ट—II

इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं/पदों के लिए भर्ती की जा रही है उनमें सम्बन्ध सविधान्तर

(क) केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा —केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के निम्नलिखित दो ग्रेड हैं —

(1) उच्च श्रेणी ग्रेड 1200-30-1500-30 रो०-40-2000 रुपये ।

(2) अवर श्रेणी ग्रेड 950-20-1150-30 रो०-25-1500 रुपये ।

2. अवर श्रेणी ग्रेड में नियुक्त व्यक्ति इस अवधि के दौरान परिवीक्षाधीन रहेंगे तथा उन्हें सरकार द्वारा यथा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना और विभागीय परीक्षाएं पास करना होगा । प्रशिक्षण के दौरान पर्याप्त प्रगति न दिखाने पर या परीक्षाएं पास न कर सकने पर परिवीक्षाधीन व्यक्ति सीकरी से हटाया जा सकता है ।

3. परिवीक्षा की अवधि पूरी होने पर सरकार परिवीक्षाधीन लिपिक की पुरिष्ठ कर सकती है या यदि उसका कार्य आचरण सरकार की राय में असन्तोषजनक रहा हो, उसे सेवा से निकाला जा सकता है या सरकार उसकी परिवीक्षा की अवधि जितनी बढ़ाना उचित समझे, बढ़ा सकती है ।

4. अवर श्रेणी ग्रेड में भर्ती किए गए व्यक्तियों को केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा योजना में भाग लेने वाले मंत्रालयों या कार्यकर्ता कार्यालयों में से किसी एक में नियुक्त कर दिया जायेगा । उनकी किसी भी समय किसी भी ऐसे अन्य मंत्रालय या कार्यालय में बढली भी हो सकती है जो केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा योजना में भाग ले रहे हों ।

5. अवर श्रेणी ग्रेड में भर्ती किए हुए व्यक्ति उस सम्बन्ध में समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार उच्च श्रेणी ग्रेड में पदोन्नति किये जाने के पात्र होंगे । स्थायी

या नियमित रूप से नियुक्त किए गए अस्थायी अवर श्रेणी ग्रेड लिपिक, जो सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में अध्यादेशित निर्णायक तारीख को 5 वर्ष की अनुमोदित या निरन्तर सेवा अवधि पूरी कर लेंगे, वे उच्च श्रेणी लिपिक की सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे।

6 अवर श्रेणी ग्रेड में भर्ती किए गए व्यक्ति इस सम्बन्ध में सरकार द्वारा निर्धारित तारीख को कम से कम दो वर्ष अनुमोदित तथा निरन्तर सेवा करने के बाद श्रेणी "ब" के आणुलिपिकों की परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे। इस परीक्षा के लिए अधिकतम आयु सीमा निर्णायक तारीख को 50 वर्ष होती चाहिए।

7 जिन लोगों की नियुक्ति केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के अवर श्रेणी ग्रेड में उनकी दृष्टि के अनुसार की जाएगी, वे उस नियुक्ति के पश्चात् भारतीय विदेश सेवा (ख) के काइर में अथवा रेल्वे बोर्ड में सचिवालय लिपिक सेवा योजना में शामिल किसी पद पर स्थानान्तरित या नियुक्ति की मांग नहीं कर सकेंगे।

(ख) रेल्वे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा :—रेल्वे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा रेल मंत्रालय में नियुक्ति अवर श्रेणी लिपिकों की सेवा की शर्तें नियुक्ति, प्रशिक्षण पदोन्नति, आदि रेल्वे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा नियम, 1970 में जो समय-समय पर बने हैं, संशोधित होती हैं जो केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा, 1962 पर आधारित है तथा समय-समय पर संशोधित होती रहती है।

2 रेल्वे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा की निम्न-लिखित दो श्रेणियाँ हैं :—

- (1) उच्च श्रेणी लिपिक : 1200-30-1560-ब० रो०-40-2040 रुपये।
- (2) अवर श्रेणी लिपिक : 950-20-1150-ब० रो०-25-1500 रुपये।

3 सीधी भर्ती केवल अवर श्रेणी लिपिकों के ग्रेड में ही की जाती है। अवर श्रेणी ग्रेड में भर्ती हुए व्यक्ति दो साल के लिए परिवर्थाधीन रहेंगे और इस अवधि में उन्हें वेसे प्रशिक्षण प्राप्त करने होंगे और उस विभागीय परीक्षाओं में उत्तीर्ण होना होगा जो सरकार द्वारा निर्धारित किए जायेंगे। प्रशिक्षण के दौरान पर्याप्त प्रगति न दिखाने पर अथवा परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने पर उन्हें सेवा से हटाया जा सकता है।

4 निम्न श्रेणी ग्रेड में भर्ती किए गए व्यक्ति इस सम्बन्ध में समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार उच्च श्रेणी ग्रेड में पदोन्नति के पात्र होंगे। ऐसे स्थायी अथवा नियमित रूप से नियुक्त निम्न श्रेणी लिपिक, जो इस सम्बन्ध में सरकार द्वारा निर्धारित निर्णायक तारीख को रेल्वे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा के अवर श्रेणी ग्रेड में 5 वर्ष की अनुमोदित तथा लगातार सेवा पूरी कर चुके हो, रेल्वे बोर्ड

सचिवालय लिपिक सेवा की उच्च श्रेणी ग्रेड सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे।

5 निम्न श्रेणी ग्रेड में भर्ती किए गए व्यक्ति इस सम्बन्ध में सरकार द्वारा यथा निर्धारित निर्णायक तारीख को कम से कम 2 वर्ष की अनुमोदित तथा लगातार सेवा पूरी कर चुकने के बाद, रेल मंत्रालय द्वारा रेल्वे बोर्ड सचिवालय आणुलिपिक सेवा की श्रेणी "ब" के लिए की जाने वाली सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे। इस परीक्षा के लिए उम्र की आयु सीमा निर्णायक तारीख को 45 वर्ष है।

6 रेल्वे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा, रेल मंत्रालय तक सीमित है और उसके कर्मचारी केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा की भाँति अन्य मंत्रालयों में स्थानान्तरित नहीं हो सकते हैं।

7 रेल्वे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा के सदस्य जो इन नियमों के अधीन भर्ती किए गए हैं :—

- (1) पेशन के लाभों के हकदार होंगे, और
- (2) जब वे नोकरी में नियुक्त हुए हों, उस तारीख को नियुक्त रेल्वे कर्मचारियों के लिए लागू और अंशदायी राज्य रेल्वे भविष्य निधि के नियमों के अधीन उस निधि में अंशदान करेंगे।

8 रेल मंत्रालय में नियुक्त कर्मचारी अन्य रेल्वे कर्मचारियों की भाँति ही बराबर की मात्रा में परिविश्रेष्ट पासो और परिविश्रेष्ट टिकट आर्डरों के हकदार होंगे।

9 जहाँ तक छुट्टी तथा सेवा की अन्य शर्तों का सम्बन्ध है, रेल्वे बोर्ड सचिवालय सेवा में शामिल कर्मचारियों को, उसी प्रकार की सुविधाएँ हैं जैसा कि अन्य रेल कर्मचारियों को। किन्तु चिकित्सा सुविधाएँ उन्हें हमारे केन्द्रीय सरकार के कर्मचारी, जिनके मंत्रालय, गर्द बिल्ली हैं, के समान हैं।

(ग) भारतीय विदेश सेवा (ख)—ग्रेड—VI —

केतनमान : 950-20-1150-ब० रो०-25-1500 रुपये। भारतीय विदेश सेवा (ख) के ग्रेड-6 में नियुक्त किए गए अधिकारी, उक्त ग्रेड में आठ वर्षों की सेवा पूरी करने पर 1200-30-1560-ब० रो०-40-2040 रुपये के केतनमान में ग्रेड-5 में पदोन्नति के लिए पात्र हैं।

2 भारतीय विदेश सेवा (ख) के ग्रेड-5 अधिकारी उक्त ग्रेड में पाँच वर्षों की सेवा पूरी करने पर 1400-40-1600-50-2300-ब० रो०-60-2600 रुपये के केतनमान में अपनी पारी पर उक्त सेवा के ग्रेड—IV में नियुक्ति के लिए पात्र होंगे।

3 भारतीय विदेश सेवा (ख) के ग्रेड-8 के अधिकारी, 1200-30-1560-ब० रो०-40-2040 रुपये के केतनमान में उक्त ग्रेड में अधिकतम वर्षों की सेवा पूरी करने पर सीमित विभागीय परीक्षा के आधार पर सेवा के उप-संरक्ष

में आशुनिषिक्तों के ग्रेड-3 में पदोन्नति के लिए पात्र होंगे ।

4. ग्रेड-4 के तैमे अधिकारी, जो स्नातक है : 1400-40-1600-50-2300-४० रोज-80-2600 रुपये के वेतनमान में, उक्त ग्रेड में अपेक्षित वर्षों की सेवा पूरी करने पर सीमित विभागीय परीक्षा के माध्यम से भारतीय विदेश सेवा (ख) के उप-संगठनों में सहायक के ग्रेड में पदोन्नति के लिए पात्र होंगे ।

5. भारतीय विदेश सेवा (ख) में नियुक्त किए गए उम्मीदवार या तो मुख्यालय पर भारत के किसी भी स्थान में अथवा विदेश में जहाँ नियुक्त प्राधिकारी द्वारा उन्हें तैनात किया जाता है, किसी पद पर सेवा करती होंगी ।

6. विदेश सेवा के दौरान, भारतीय विदेश सेवा (ख) के अधिकारियों का, उनके मूल वेतन के अनुरूप, उन दर्जों पर विदेश भत्ता मंजूर किया जाएगा जो सम्बन्धित मुक्तों के निर्वहण व्यय आवृत्ति के आधार पर समय-समय पर मंजूर किया जा सकता है । इसके अनुरूप भारतीय विदेश सेवा (पी० एल० सी० ए०) नियम, 1961 के अनुसार, जो भारतीय विदेश सेवा (ख) अधिकारियों के लिए लागू है, विदेश सेवा के दौरान निम्नलिखित रियायतों भी स्वीकार्य होंगी :—

- (1) सरकार द्वारा निर्धारित मानदंड के आधार पर निःशुल्क आवास ।
- (2) समय-समय पर यथा संगठित सहयोगित चिकित्सा परिचर्या योजना के अधीन चिकित्सा परिचर्या सुविधाएं ।
- (3) निजी अथवा पारिवारिक संकटकालीन परिस्थितियों के लिए अधिकारी की सेवा के दौरान छुट्टी स्थान से भारत में आने और वापस जाने संबंधी अधिकतम दो बार वापसी हवाई यात्रा व्यय ।
- (4) कतिपय शर्तों पर भारत में किसी माध्यता प्राप्त प्रौद्योगिक संस्था से अध्ययन कर रहे 6 से 22 वर्ष की आयु वाले दो बच्चों को छुट्टी के दौरान अपने माता-पिता के पास आने के लिए न्यूनतम किराये वाली श्रेणी में वार्षिक वापसी हवाई किराया ।
- (5) कतिपय शर्तों पर, अधिकारी के विदेशों में तैनाती स्थान पर अध्ययन कर रहे 5 से 18 वर्ष की आयु के बीच वाले अधिकतम दो बच्चों के शिक्षा सम्बंधी व्यय को सरकार पूरा करती है ।
- (6) विद्यमान अनुप्रेषणों के अनुसार विदेश में तैनाती के लिए परिवान भत्ता ।
- (7) निर्धारित नियमों के अनुसार अधिकारी और उसके परिवार के लिए स्वदेश छुट्टी यात्रा व्यय ।

7. सेवा में नियुक्ति, स्थायीकरण और वरिष्ठता संबंधी शर्तें भारतीय विदेश सेवा (ख) (भर्ती संबंधी, वरिष्ठता और पदोन्नति) नियम, 1964 के संगत उपबंधों और किन्हीं अन्य विनियमों अथवा आदेशों जिन्हें सरकार बाद में बनाए द्वारा भी शासित होंगी ।

(ग) सशस्त्र सेवा मुख्यालय लिपिक सेवा/सशस्त्र सेवा मुख्यालय :—लिपिक सेवा में निम्नलिखित दो ग्रेड हैं :—

उच्च श्रेणी ग्रेड : 1200-30-1580-४० रोज-40-2040 रुपये ।

अवर श्रेणी ग्रेड : 950-20-1150-३० रोज-25-1500 रुपये ।

उच्च श्रेणी लिपिक में पत्र अवर श्रेणी लिपिकों में से पदोन्नति द्वारा भरे जाते हैं । सीधी भर्ती केवल अवर श्रेणी ग्रेड में ही की जाती है ।

2. अवर श्रेणी ग्रेड में भर्ती किए गए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि तक परीक्षाधीन रहेंगे । यह अवधि सशस्त्र अधिकारी के विवेक पर बढ़ाई या घटाई जा सकती है । इस अवधि में असंतोषजनक सेवा रिकार्ड के परिणामस्वरूप परीक्षाधीन व्यक्ति को सेवा से हटाया जा सकता है । परीक्षा की अवधि में उन्हें समय-समय पर यथा-विहित प्रशिक्षण लेना पड़ सकता है तथा परीक्षा भी पास करनी पड़ सकती है ।

3. अवर श्रेणी लिपिक समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार पुष्टिकरण तथा पदोन्नति के पात्र होंगे ।

4. सशस्त्र सेवा मुख्यालय में भर्ती किए गए अवर श्रेणी लिपिक आमतौर पर दिल्ली/नई दिल्ली स्थित सशस्त्र सेवा मुख्यालय तथा अन्तर सेवा संगठनों के किसी कार्यालय में नियुक्त किए जाएंगे । किन्तु लोक हित में भारत में कहीं भी उनकी बतली की जा सकती है ।

5. छुट्टी, चिकित्सा सहायता तथा सेवा की अन्य शर्तें वही हैं जो सशस्त्र सेवा मुख्यालय तथा अन्तर सेवा संगठनों में नियुक्त अन्य लिपिक वर्गीय कर्मचारियों पर लागू होती हैं ।

(ङ) संघीय मामलों का मंत्रालय :—इस विभाग में निम्न श्रेणी लिपिकों के पदों का वेतनमान 950-20-1150-३० रोज-25-1500 रुपये है ।

प्रतियोगिता परीक्षा के माध्यम से चुनाव करके सेवा में नियुक्त उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षाधीन रखा जाएगा ।

संघीय कार्य मंत्रालय में अवर श्रेणी लिपिकों के पदों को केन्द्रीय सचिवालय सेवा में शामिल नहीं किया गया है ।

(च) केन्द्रीय मतगणना आयोग तथा निर्वाचन आयोग :

1. आयोग में निम्न श्रेणी लिपिक के पद का वेतनमान 950-20-1150-३० रोज-25-1500 रुपये है ।

2. केन्द्रीय सतर्कता आयोग तथा निर्वाचन आयोग में निम्न श्रेणी लिपिकों के पद केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा में शामिल नहीं हैं ।

3. नियुक्त किए गए व्यक्ति 2 वर्ष की अवधि तक परीक्षाधीन होंगे ।

4. केन्द्रीय सतर्कता आयोग में 5 वर्ष तथा निर्वाचन आयोग में 8 वर्ष की सेवा पूरी करने के पश्चात् वे उच्च श्रेणी लिपिक ग्रेड में पदोन्नति के लिए पात्र होंगे ।

अनुबंध

सेवारत व्यक्तियों के लिए प्रमाण पत्र का फार्म

[नियम 3(i) के नीचे टिप्पणी II देखें]

मैं एतद्वारा सत्यापित करता हूँ कि मेरे पास उपलब्ध सूचना के अनुसार नं० () रैंक
नाम

सशस्त्र सेना में अपनी नियुक्ति की निर्दिष्ट अवधि को पूरी करेगा ।

कमांडिंग अधिकारी के हस्ताक्षर
कार्यालय मुहर

स्थान :

तारीख :

उम्मीदवार द्वारा दिया जाने वाला वचन

मैं जानता हूँ कि उस भर्ती/परीक्षा जिससे यह आवेदन-पत्र सम्बन्धित है, के आधार पर चयन होवे की दशा में मेरी नियुक्ति इस शर्त पर होगी कि मैं नियोक्ता प्राधिकारी को इस आशय का लिखित सबूत दूँ कि मुझे सशस्त्र सेनाओं से विधिवत् कार्यमुक्त/सेवानिवृत्त/डिस्चार्ज किया गया है और मैं समय-समय पर यथा-संशोधित भूतपूर्व सैनिक (केन्द्रीय सिविल सेवाओं तथा पदों में पुनर्नियोजन) नियम, 1979 के अनुसार भूतपूर्व सैनिकों को अनुश्रेय प्रशुचिवाओं का हकदार हूँ ।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर

स्थान :

दिनांक :

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 8th May 1991

No. 65-Pres/9.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Punjab Police :—

Name and rank of the officer

Shri Mohd. Mustafa,
Assistant Superintendent of Police,
Tarn-Taran.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On receipt of an information on the 30th November, 1988 about the presence of some extremists, a combing and search operation was launched by combined contingent of Punjab Police, Border Security Force and Central Reserve Police Force under the command of Senior Superintendent of Police, Tarn-Taran, and three parties were formed. The party led by Shri Mohd. Mustafa, Assistant Superintendent of Police started house to house search from right side of village Mughal Chak. On seeing the police search party advancing to a particular house in which the extremists happened to be hiding, the extremists jumped the boundary wall of the house in order to escape. The other party led by Comdt. J. P. Dashmana of Central Reserve Police Force was already present at that side. The terrorists realising that they have been badly trapped, started firing on the police party led by Shri Dashmana. Two of the Central Reserve Police Force Constables exhibiting extraordinary courage returned fire on the terrorists forcing them to enter into one of the rooms of the house. Shri Mustafa who was looking after the right flank volunteered to enter a house just in front of the room in which the terrorists were hiding and this house was hardly 70 yards range from the terrorists who were firing indiscriminately. He alongwith two Constables took positions behind the terrace of that house and kept firing from the SLR intermittently. One bullet hit Constable Jaspal Singh who had taken position on the house top 3—71 GI/91

with SLR. He was immediately removed to hospital for treatment. Shri Mustafa continued directing fire towards the terrorists. He took another initiative and changed his strategy. He came down, crawled to the courtyard boundary wall, dug a hole and directed firing from the LMG on the terrorists through the hole. He directed two Constables to attend to LMG and himself dug another hole in the right side of the wall and fired from the SLR. The firing continued for half an hour resulting in the death of three extremists. Two of the killed terrorists were identified as Amrik Singh and Baldev Singh.

In this encounter Shri Mohd. Mustafa, Assistant Superintendent of Police, displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under rule 4(1) of the rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 30th November, 1988.

No. 66-Pres/91.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Uttar Pradesh Police :—

Name and rank of the officer

Shri Om Prakash Singh Malik,
Senior Superintendent of Police,
District Azamgarh.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 19th April, 1988 while Shri Om Prakash Singh Malik, Senior Superintendent of Police, Azamgarh was holding a meeting in police office Azamgarh, received an information that heavy firing was going on in the Civil Court Compound. Immediately he alongwith Shri G. N.

Singh, Additional Superintendent of Police and Shri S. S. Sharma, Inspector who were present in his office rushed to the spot where he observed that a dare-devil gang of criminals had been heavily firing on their opponents with whom they had a land dispute listed for hearing that day. The firing had created terror and panic, injuring members of general public and bringing the functioning of the courts to a standstill.

Shri Malik gathered that the armed gang after the shoot-out had fled towards Varanasi in a jeep and an Ambassador car. Taking up the clue and without loss of time and without waiting for re-enforcements he together with Shri G. N. Singh, Additional Superintendent of Police and Shri S. S. Sharma, Inspector followed the route in hot pursuit of the criminals. Meanwhile control rooms and Police Stations enroute were also alerted. While speeding on Varanasi Road, Shri Malik spotted a jeep and an Ambassador car near Balasa railway crossing. He ordered his driver to overtake and stop before them blocking the way in front while Shri S. S. Sharma's car blocked the way from behind. Seeing themselves surrounded from all sides, the criminals immediately jumped out and took firing positions. Shri Malik unmindful of the firing of the criminals warned them to surrender but they replied with indiscriminate firing. In the meantime, a large crowd had gathered and it was felt that return of fire from the police would cause heavy casualties to innocent passerby. At this juncture, Shri Malik in utter disregard of danger to his life made a lightning move and pounced on the gang leader Virendra Rai, over-powered him snatching his rifle. In the meantime, another criminal Vijai Pratap fired at Shri Malik but his aim was deflected in time and Shri G. S. Singh pounced on him and over-powered him. Another criminal Chandra Shekhar Misra was also over-powered while the others managed to escape leaving behind arms and ammunition.

The three nabbed criminals were later identified as a suspended Sub-Inspector and ex-constables respectively and have been causing terror in the area.

In this encounter Shri Om Prakash Singh Malik, Senior Superintendent of Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under rule 4(1) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it special allowance admissible under rule 5, with effect from the 19th April, 1988.

No. 67-Pres/91.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Uttar Pradesh Police :—

Names and rank of the officers

Shri Birindar Singh Sidhu,
Superintendent of Police,
District Banda.

Shri Ajai Kumar Kulshrestha,
Sub-Inspector, Civil Police,
District Banda.

Shri Uma Shankar Verma, (Posthumous)
Sub-Inspector of Police,
District Banda.

Shri Jai Ram Singh,
Constable,
District Banda.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 1st February, 1990 while Shri Ajai Kumar Kulshrestha, Sub-Inspector, alongwith other police personnel was out to arrest Smt. Laxminiya an accused wanted in many cases, was informed about the presence of Ram Karan Singh, Inter-State Gang leader with his gang in the house of Laxminiya. Shri Kulshrestha immediately swung into action despite insufficient force but collected a few licencees from the village to supplement the force

and rushed to the spot at about 5.30 AM. He divided the force and licencees into three parties one led by himself and the other two parties headed by two Sub-Inspectors. Shri Kulshrestha together with his party took position on the western side while the other two parties took position on northern and southern sides of the house of Smt. Laxminiya. While the dacoits sensed the arrival of the police, Shri Kulshrestha alongwith Constable Jai Ram Singh in order to flush out the dacoits, at great personal risk, entered the house where they were fired upon by dacoits. Shri Kulshrestha managed to escape but the rifle of Constable Jai Ram Singh was broken into pieces and they also received splinter injuries. Both of them immediately took position, alerted the police personnel and the licencees of the gravity of the situation and kept the dacoits engaged, while RT message was sent to Superintendent of Police, Banda, for reinforcements.

Shri Birindar Singh Sidhu, Superintendent of Police, Banda, alongwith one Additional Superintendent of Police, Dr. Tehsildar Singh, Deputy Superintendent of Police, Shri Uma Shankar Verma, Sub-Inspector, Shri Ajai Kumar Kulshrestha, Sub-Inspector, and a contingent of force including one Platoon of PAC fully equipped in all respects reached the spot at 8.00 AM. where Shri Kulshrestha apprised the situation to Shri Birindar Singh Sidhu who took command of the operation and reorganised the whole deployment. The Police force was divided into ten parties under the command of Shri Sidhu while one party under Shri Uma Shankar Verma, Sub-Inspector, positioned on the northern side, one party under Dr. Tehsildar Singh, Deputy Superintendent of Police, assisted by Shri Kulshrestha took position on the roof of Ram Asrey's house, while the party under the Superintendent of Police took position behind the half constructed wall of house of Ram Asrey. After deployment of Police force Shri Sidhu challenged the dacoits to surrender but was responded by indiscriminate firing from SLRs which Shri Sidhu luckily escaped with his agile movement. When return fire from the police party and tear gas shells had no effect on the dacoits, Shri Sidhu ordered his men to resort to hand grenades as a result of which the thatched roof of the house caught fire but still the dacoits were unmoved for sometime and kept on firing with intermittent burst-fire. As firing ceased for some time, Shri Uma Shankar Verma climbed over the wall to ascertain the position but unfortunately Shri Verma was hit by sudden burst-fire and fell into the smouldering remains of the roof, Shri Sidhu with the help of Dr. Tehsildar Singh and other could only retrieve charred remains of Shri Verma.

Shri Sidhu, Dr. Tehsildar Singh, Shri A. K. Kulshrestha, Shri Jai Ram Singh and others fully determined to deal with the gang, unmindful of grave risk to their lives, continued firing at the dacoits. This determination of the police officers bore fruit when the firing from the dacoits side finally ceased at about 3.00 PM and a search of the area revealed that three dacoits namely Ram Karan Singh, Ram Pal Singh and Ram Pal of District Banda were found dead.

In this encounter Shri Birindar Singh Sidhu, Superintendent of Police, Shri Ajai Kumar Kulshrestha, Sub-Inspector of Police, Shri Uma Shankar Verma, Sub-Inspector of Police and Shri Jai Ram Singh, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under rule 4(1) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it special allowance admissible under rule 5, with effect from the 1st February, 1990.

No. 68-Pres/91.—The President is pleased to award the Bar to Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Uttar Pradesh Police :—

Name and rank of the officer

Dr. Tahsildar Singh,
Deputy Superintendent of Police,
District Banda.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 1st February, 1990 while Shri Ajai Kumar Kulshrestha, Sub-Inspector, alongwith other police personnel was out to arrest Smt. Laxminiya an accused wanted in many cases was informed about the presence of Ram Karan Singh, Inter-State Gang leader with his gang in the house of Laxminiya Shri Kulshrestha immediately swung into action despite insufficient force but collected a few licencees from the village to supplement the force and rushed to the spot at about 5.30 AM. He divided the force and licencees into three parties one led by himself and the other two parties headed by two Sub-Inspectors. Shri Kulshrestha together with his party took position on the western side while the other two parties took position on northern and southern sides of the house of Smt. Laxminiya. While the dacoits sensed the arrival of the police, Shri Kulshrestha alongwith Constable Jai Ram Singh in order to flush out the dacoits, at great personal risk, entered the house where they were fired upon by dacoits. Shri Kulshrestha managed to escape but the rifle of Constable Jai Ram Singh was broken into pieces and they also received splinter injuries. Both of them immediately took position, alerted the police personnel and the licencees of the gravity of the situation and kept the dacoits engaged, while RT message was sent to SP Banda for reinforcements.

Shri Birindar Singh Sidhu, Superintendent of Police, Banda, alongwith one Additional Superintendent of Police, Dr. Tehsildar Singh, Deputy Superintendent of Police, Shri Uma Shankar Verma, Sub-Inspector, Shri Ajai Kumar Kulshrestha, Sub-Inspector, and a contingent of force including one Platoon of PAC fully equipped in all respects reached the spot at 8.00 AM where Shri Kulshrestha apprised the situation to Shri B. S. Sidhu who took command of the operation and reorganised the whole deployment. The police force was divided into ten parties under the command of Shri Sidhu while one party under Shri Uma Shankar Verma, Sub-Inspector, positioned on the northern side one party under Dr. Tehsildar Singh, Deputy Superintendent of Police, assisted by Shri Kulshrestha took position on the roof of Ram Asrey's house, while the party under the Superintendent of Police took position behind the half constructed wall of house of Ram Asrey. After deployment of police force Shri Sidhu challenged the dacoits to surrender but was responded by indiscriminate firing from SLRs which Shri Sidhu luckily escaped with his agile movement. When return fire from the police party and tear gas shells had no effect on the dacoits, Shri Sidhu ordered his men to resort to hand grenades as a result of which the thatched roof of the house caught fire but still the dacoits were unmoved for sometime and kept on firing with intermittent burst-fire. As firing ceased for sometime, Shri Uma Shankar Verma climbed over the wall to ascertain the position but unfortunately Shri Verma was hit by sudden burst-fire and fell into the smouldering remains of the roof, Shri Sidhu with the help of Dr. Tehsildar Singh and other could only retrieve charred remains of Shri Verma.

Shri Sidhu, Dr. Tehsildar Singh, Shri A. K. Kulshrestha, Shri Jai Ram Singh and others fully determined to deal with the gang, unmindful of grave risk to their lives, continued firing at the dacoits. This determination of the police officers bore fruit when the firing from the dacoits side finally ceased at about 3.00 PM and a search of the area revealed that three dacoits namely Ram Karan Singh, Ram Pal Singh and Ram Pal of District Banda were found dead.

In this encounter Dr. Tehsildar Singh, Deputy Superintendent of Police, Banda, displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under rule 4(1) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5 with effect from the 1st February, 1990.

A. K. UPADHYAY, Director

CABINET SECRETARIAT

New Delhi, the 25th April 1991

RESOLUTION

No. 55/9/1, 90-Cab—The Government of India in Cabinet Secretariat Resolution No. 55/9/1/90-Cab dated 31st August, 1990 appointed a Standing Advisory Committee consisting of representatives of farming community to assist and advise Government on a continuing basis in the matter of formulation and implementation of agriculture policy. The Committee has since completed its task of formulating its views for consideration in the finalisation of agriculture policy. Government have since reviewed the matter and having regard to the consideration that the residuary work could be completed by the Committee by 15th May, 1991 decided that the Committee would cease to function from 16th May, 1991.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all the Ministries and Departments of the Government of India, all the State Governments and Union Territories, Planning Commission, President's Secretariat, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Prime Minister's Office, Comptroller & Auditor General of India and all attached and subordinate offices under the Ministry of Agriculture (Department of Agriculture and Cooperation).

ORDERED ALSO that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

D. DAS GUPTA, Jt. Secy.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi-110001, the 24th April 1991

RESOLUTION

No. 2/1/91-NICS/FP.III—As per the Ministry of Home Affairs Resolution No. 4/20/70-F(P) II/ICFS/GPAT dated the 25th September, 1976 the Institute of Criminology and Forensic Science functions as a separate organisation under the Ministry of Home Affairs. With effect from 5th March, 1991, it has been decided that the Institute be renamed as National Institute of Criminology and Forensic Science which will be in consonance with the Objectives of the Institute.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all State Governments/Union Territories Administrations, Director, Intelligence Bureau, Director General, Central Bureau of Investigation, Director General, Central Reserve Police Force, Director, Sardar Vallabhbhai Patel National Police Academy, Director General, National Institute of Criminology and Forensic Science, Director General, Bureau of Police Research & Development all Ministries/Departments of Govt. of India.

ORDERED ALSO that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

R. K. BHARGAVA, Secy.

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

New Delhi-110011, the 24th April 1991

No. 27/5/91-CI II.—In supersession of this Department Notification No. 27/11/90-CI II dated 6-8-1990 and in exercise of the powers conferred by clause (ii) of sub-section (1) of Section 209A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) the Central Government hereby authorise Shri S. K. Saxena, Deputy Director (Inspection) in the Department of Company Affairs for the purpose of the said Section 209A.

No. 27.5/91-CL. II—In supersession of this Department Notification of even number dated 6-2-91 and in exercise of the powers conferred by clause (ii) of sub-section (1) of Section 209A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) the Central Government hereby authorise Shri Henry Richard, Inspecting Officer, in the Department of Company Affairs for the purpose of the said Section 209A.

K. M. GUPTA, Under Secy.

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT
(DEPARTMENT OF EDUCATION)

New Delhi, the 24th April 1991

CORRIGENDUM

No. F. 9-9/87-U. 3. Jain Vishva Bharati, Ladnun (Rajasthan) was declared as a deemed to be University under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956 (1 of 1956), vide this Ministry's Notification No. F. 9-9/87-U. 3 dated 20th March, 1991. The name of Jain Vishva Bharati may be substituted as "Jain Vishva Bharati Institute", Ladnun

S. G. MANKAD, Jt. Secy

MINISTRY OF RAILWAYS
(RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 23rd April 1991

RESOLUTION

No. BRB-1/91/21/1.—Reference Ministry of Railway's Resolution of even number dated 27-3-91 regarding reconstitution of Passenger Amenities Committee at the national level, under the Chairmanship of Shri Raghubir Singh Panhazari, Ex-Member of Parliament. The Ministry of Railways have further decided to enlarge the Terms of Reference of the Committee as contained at para 5 of the above referred resolution dated 27-3-91 to include several additional items

Accordingly existing para 5 of the Resolution of even number dated 27-3-91 should be substituted by the following:—

"5. The Terms of Reference of the Committee will be as under:—

- (a) General cleanliness and environmental conditions;
- (b) Drinking water arrangements;
- (c) Facilities provided for dissemination of information to the passengers, like enquiry offices public address system, indicator boards etc;
- (d) Provision of lights, fans and other electrical amenities;
- (e) Provision and maintenance of public conveniences like public lavatories, bathrooms, retiring rooms and waiting halls;
- (f) Provision of such conveniences as benches on platform, wheel chairs, stretchers, luggage trolleys, etc.;
- (g) Reservation and Booking for passengers;
- (h) Security of passengers in carriages and at station premises;
- (i) Losses in railway revenues;
- (j) Ensuring courtesy to passengers;
- (k) Catering services, and
- (l) Improved services to pilgrims."

ORDER

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

K. D. SAHA, Jt. Secy. (G)
Railway Board

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi-110011, the 30th April 1991

RESOLUTION

No. U-24012/6/90 RW.—The tenure of the National Commission on Rural Labour, re-constituted vide Ministry of Labour Resolution No. U-24012 1/90-RW dated 24th January, 1991, published in the Gazette of India, Part I, Section 1 and extended upto 31-5-1991, vide Resolution of even number, dated 11th March, 1991, published in the Gazette of India, Part I, Section 1, is hereby further extended by two months beyond 31-5-1991, i.e. upto 31st July, 1991

2. The other terms and conditions shall, however, remain unchanged.

ORDER

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India, Part I, Section 1

ORDERED ALSO that a copy of the Resolution be communicated to all Ministries/Departments of the Government of India, State Governments/Administrations of Union Territories and all other concerned

V. P. SAWHNEY, Secy.

New Delhi, the 24th April 1991

No. Q-16012/2/89-ESA (WE).—In pursuance of Rule 3(1) of the Rules and Regulations of Central Board for Workers Education, the Government of India hereby nominate Minister of State for Labour, Government of India, as Chairman of the said Central Board for Workers Education with immediate effect and until further orders.

2. The following changes shall accordingly be made in the Ministry of Labour Notification No. Q-16012/2/89-ESA(WE) dated the 25th June, 1990 published in the Gazette of India Part I, Section 1, as amended from time to time:—

For the existing entry against Serial No. 1, viz:—

"Shri R. G. James Kutickattu, Chairman	Nominated
26, Gandhi Market,	by the
Mir Dard Road,	Govt. of
New Delhi-110 002."	India.

The following shall be substituted, viz:—

"Minister of State for Labour, Chairman	Nominated
Government of India,	by the
New Delhi."	Govt. of
	India.

A. K. CHANDA, Director

MINISTRY OF PERSONNEL, P.G. AND PENSIONS
(DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRAINING)
RULES FOR CLERK'S GRADE EXAMINATION, 1991

New Delhi-1, the 25th May 1991

No. 9/4/91-CS-II—The Rules for Competitive Examination to be held by the Staff Selection Commission, Department of Personnel and Training, in 1991 for the purpose of filling temporary vacancies in the following service/posts (and for such other service/posts as may be included by the Commission in their Advertisement inviting application for the Examination) are published for general information :—

- (i) Indian Foreign Service (B) Grade VI
- (ii) Railway Board Secretariat Clerical Service—Grade-II.
- (iii) Central Secretariat Clerical Service—Lower Division Grade.
- (iv) Armed Forces Headquarters Clerical Service—Lower Division Grade.
- (v) Posts of Lower Division Clerks in the Election Commission of India.
- (vi) Posts of Lower Division Clerks in the Ministry of Parliamentary Affairs, New Delhi
- (vii) Posts of Lower Division Clerks in the Central Vigilance Commission.

Preferences in respect of services/posts mentioned above will be invited by the Commission from the candidates at the time of admitting them to the typewriting test after result of the written examination

2. Reservation will be made for candidates who are ex-servicemen, for candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and for physically handicapped (the deaf and orthopaedically handicapped persons only) persons in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India

3. (A) An 'ex-serviceman' means a person who are served in any rank whether as a combatant or non-combatant in the Regular Army, Navy and Air Force of the Indian Union and Regular Army, Navy and

- (a) who retired from such service after earning his/her pension; or
- (b) who has been released from such service on medical grounds attributable to military service or circumstances beyond his control and awarded medical or other disability pension; or
- (c) who has been released or otherwise than on his own request from such service as a result of reduction in establishment;
- (d) who has been released from such service after completing the specific period of engagements, otherwise than at his own request or by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, and has been given a gratuity; and includes personnel of the Territorial Army of the following categories namely :—
 - (i) pension holders for continuous embodied service;
 - (ii) persons with disability attributable to military service; and
 - (iii) gallantry award winners.

(B) Scheduled Castes/Scheduled Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950, the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950, the Constitution (Scheduled Castes) Union Territories Order, 1951, the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification)

Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956 and the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli), Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964, the Constitution (Uttar Pradesh) Scheduled Tribes Order, 1967, the Constitution (Goa, Daman & Diu) Scheduled Castes Order, 1968, the Constitution (Goa, Daman & Diu) Scheduled Tribes Order, 1968, the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970, the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976, the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978 and the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978, the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Tribes Order, 1989, amended from time to time.

(C) Physically handicapped person means a person belonging to any of the following categories :—

- (a) *The Deaf* :—The deaf are those in whom the sense of hearing is non-functional for ordinary purpose of life. They do not hear and understand sound at all even with amplified speech. The cases included in this category will be those having hearing loss more than 90 decibels in the better ear (profound impairment) of total loss of hearing in both ears.
- (b) *The Orthopaedically Handicapped* :—Orthopaedically handicapped who have a minimum of 40% of physical defect or deformity which causes an interference with the normal functioning of the bones, muscles and joints.

The examination will be conducted by the Staff Selection Commission in the manner prescribed in Appendix I to the Rules. The date on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A candidate must be either

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian Origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire, Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India

(1) Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

(2) Provided further that candidate belonging to categories (b), (c) and (d) above shall not be eligible for appointment to the Indian Foreign Service (B) Grade VI.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment will be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Ministry/Department which is administratively concerned with the post where the candidate is likely to be appointed

5. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 18 years and must not have attained the age of 25 years on 1st August, 1991, i.e. he/she must have been born not earlier than 2nd August, 1966 and not later than 1st August, 1973.

(b) Ex-servicemen fulfilling the conditions laid down in para 3(A) above shall be allowed to deduct military service from their actual age and such resultant age should not exceed prescribed age limit by more than three years.

Candidates admitted to the examination under this Age concession will be eligible to compete for all the vacancies whether reserved or not for Ex-servicemen.

NOTE (1) Ex-servicemen who already joined Government job in civil side after availing of the benefits given to them as ex-servicemen for their re-employment are *not* eligible to the age concession.

NOTE (2) —The period of 'Call up Service' of an ex-servicemen in the Armed Forces shall also be treated as Service rendered in the Armed Forces for purpose of Rule 5(b) above.

NOTE (3) —For any servicemen of the Armed Forces of the Union to be treated as Ex-servicemen for the purpose of securing the benefits of reservation, he must have already acquired, at the relevant time of submitting his application for the post/service the status of ex-servicemen and/or is in a position to establish his acquired entitlement by documentary evidence from the competent authority that he would be released/discharge from the Armed Forces within the stipulated period of one year on completion of his assignment. (The date of submitting of the application is relevant for this purpose). The form of certificate/undertaking to be submitted by the candidate in this connection is given in Annexure (as per para 2 of Department of Pers. & Trg. OM No. 36034/2/91 Estt. (SC1) dt 3-4-91).

Explanation : The persons serving in the Armed Forces of the Union, who on retirement from service, would come under the category of 'Ex-servicemen' may be permitted to apply for re-employment *one-year* before the completion of all specified terms of engagements and avail themselves of all concessions available to ex-servicemen but shall not be permitted to leave the uniforms until they complete the specified terms of engagement in the Armed Forces of the Union.

(C) The Upper Age limit in all these cases will be further relaxable :

- (i) Up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribes;
- (ii) Up to a maximum of three years if a candidate is a bonafide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.
- (iii) Up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribes and is also a bonafide repatriate or a prospective repatriate of Indian Origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.
- (iv) Up to a maximum of three years in the case of Defence Service Personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed areas and released as consequence thereof.
- (v) Up to a maximum of eight years in the case of Defence Services Personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof and who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.
- (vi) Up to a maximum of ten years if the candidate is a physically handicapped person. (for candidates belonging to SC or ST, who are physically handicapped, the maximum relaxation of ten years permissible for physically handicapped persons shall be in addition to the age relaxation provided in terms of Column (i)).
- (vii) Up to the age of 35 years (upto 40 years for members of Scheduled Castes/Scheduled Tribes) in the case of widows, divorced women and women judicially separated from their husbands, who are not remarried;

(xiii) Upper age limit is relaxable to retrenched employees of Chukha Hydel Project Authority in Bhutan who were directly recruited to the extent of regular service rendered by them with the Authority (Period of regular service rendered by the retrenched employees will be decided on the basis of certificate issued by the Chukha Hydel Project Authority);

(ix) In accordance with DP&T O.M. No. 49014/16/89-Exit (C) dated 16-7-1990, age relaxation as a one time measure is allowed to Casual Workers who have been engaged for performing duties for Group 'C' posts, to the extent of period of service rendered as Casual Worker in a Central Govt. Ministry/Department or its attached subordinate office, subject to the following conditions :

- (i) The Casual Worker must be in employment in a Government office on 16-7-1990.
- (ii) He/she must have completed 240 days (206 days in office observing 5 days a week) of service in each of the two immediately preceding calendar years.
- (iii) He/she must possess educational qualifications as prescribed in Rule 6 of these rules.

The above relaxation is available only for this year's examination.

NOTE : It will be the responsibility of the Administrative Minister/Departments where the Casual Worker is employed to ensure that the Casual Workers intending to appear in the examination conducted by the Staff Selection Commission satisfy all the conditions prescribed above. Such certificate shall be issued under the signature of an officer not below the rank of Deputy Secretary of equivalent. In case such certificate is not enclosed, the application of the casual worker is liable to be rejected by the Commission.

(d) The upper age limit will be relaxable upto the age of 40 years (45 years in case of SC/ST) in respect of persons who have been regularly appointed as Clerks/Assistant Compilers/Storekeepers in the various Departments/Offices of the Government of India and in the office of the Election Commission, and have rendered not less than 3 years continuous service as Clerks as on 1-8-1991 and who continue to be so employed.

(e) The upper age limit will be relaxable upto 45 years in respect of service clerks in the last years of their colour service in the Armed Forces, i.e. those who are due for release from the Army during the period of 2nd August, 1991 to 1st August, 1992.

Such candidates are not entitled to any concession in fee.

Provided that candidates admitted to the examination under this age concession will be eligible to compete only for vacancies in armed forces headquarters and Inter-Service Organisations, which are not reserved for ex-servicemen.

(f) There will be no upper age limit for Telephone Operators who are employed in the Ministry of External Affairs as on 1-8-1991 and who continue to be so employed.

(h) Upper age limit is also relaxable upto 35 years for the Staff Car Drivers who are educationally qualified for appointment to the posts of LDCs and who have not rendered less than 3 years of continuous service in the grade, in accordance with DP&ARDs O.M. No. 22011/15/81-Estt. (D) dated 4-7-1983;

NOTE (1) Services rendered by R.M.S. Sorters employed in Subordinate offices of Postal Department shall be treated as service rendered in the grade of Clerks for purpose of Rules 5(d) above.

NOTE (2) The candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 5(d) Rule 5(e) and Rule (g) above, is liable to be cancelled if after submitting his application, he resigns from

service or his services are terminated by this Department, either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the service or post after submitting his application.

NOTE (3) A Clerk who is on deputation is an ex-cadre post with the approval of the competent authority will be eligible to be admitted to the examination.

NOTE (4) Any permanent or temporary Telephone Operator working in the Ministry of External Affairs shall be eligible to appear at the examination provided that no Telephone Operator shall be allowed to avail of more than two chances to qualify in the examination.

Telephone Operators, who are on deputation to other ex-cadre posts within the approval of the competent authority shall be eligible to be admitted to the examination if otherwise eligible. This also applies to a person who has been appointed to another ex-cadre post or to another service on transfer, if he/she continues to have been on the post of Telephone Operator for the time being.

NOTE (5) The examination will be qualifying and not competitive so far as persons falling under category (g) above of this rule are concerned, they will not be required to appear at the type-writing test forming part of his examination. They shall have to pass a periodical typewriting test held by this Commission, if not already passed, within a period of one year from the date of their appointment as a Lower Division Clerk failing which no annual increment will be allowed to them until they have passed the said test.

Telephone Operator recommended by the Commission shall be inducted only in IFS (B) Grade VI.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE REJECTED. AGE CONCESSION IS NOT ADMISSIBLE TO THE 'SONS AND DAUGHTERS OF EX-SERVICEMEN' AND PERSONS BELONGING TO 'BACKWARD CLASSES'.

(6) Candidates must have passed the Matriculation Examination on 1-8-91 of any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or an examination held by a State Education Board at the end of the Secondary School High School, or any other certificate which is accepted by the Government of that State/Government of India as equivalent to matriculation certificate for entry into services.

NOTE 1 : A candidate who has appeared at an examination, the passing of which would render him educationally qualified for the Commission's examination but has not been informed of the result as also a candidate who intends to appear at such a qualifying examination will not be eligible for admission to the Commission's examination.

NOTE 2 : In exceptional cases, the Central Government may treat a candidate who does not possess any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which in the opinion of that Government justified his admission to the examination.

7. No person :—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to service.

Provided that Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

(u) A person married to a foreign national shall not be eligible for appointment to the Indian Foreign Service (B) Grade VI.

8. A candidate already in Government service whether in a permanent or temporary capacity may apply direct for appearing at the examination but will have to send to the Commission a 'No Objection Certificate' from his office before being allowed to take the Typewriting Test.

9. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient discharge of his duties as an officer of the service. A candidate who after such medical examination as may be prescribed by the competent authority, is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined.

NOTE : In the case of the disabled ex-Defence Services Personnel a certificate of fitness granted by the Demobilisation Medical Board of the Defence Services will be considered adequate for the purpose of appointment.

10. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

11. No candidate will be admitted to the examination unless he/she holds a certificate of admission from the Commission.

12. Candidates except ex-servicemen released from the Armed Forces and those who are granted remission of fee vide Commission's advertisement must pay the fee prescribed therein.

13. Any attempt on the part of a candidate to obtain support for his candidature by any means may disqualify him for admission.

14. A candidate who in or has been declared by the Commission to be guilty of :—

- (i) Obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) Impersonating, or
- (iii) Procuring impersonation by any person, or
- (iv) Submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) Making Statement which are incorrect or false or suppressing materials information, or
- (vi) Resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature, for the examination, or
- (vii) Writing irrelevant matters including obscene languages or pornographic matter in the script, or
- (viii) Using unfair means in the examination hall, or
- (ix) Misbehaving in any other manner in the examination hall or
- (x) Harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination, or
- (xi) Violation any of the instructions issued to candidates alongwith their Admission Certificate permitting them to take the examination, or
- (xii) Attempting to commit, or as the case may be abetting the Commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses, or may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable :—
 - (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate, or
 - (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
 - (c) to disciplinary action under appropriate rules if he is already in service under Government.

15. After the examination, the candidates competing for the services/posts mentioned in para 1 who qualify at the typewriting test or are exempted therefrom will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate at the written examination and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the basis of results of the examination.

Provided further that the candidates belonging to any of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes, may to the extent of the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, be recommended by the Commission by a relaxed standard, subject to the fitness of these candidates for selection to the Service.

Provided further that the candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes, who have been recommended by the Commission without resorting to the relaxed standard referred to in this sub-rule, shall not be adjusted against the vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes.

Provided that, candidates belonging to the Ex-servicemen or Physically Handicapped may, to the extent the number of vacancies reserved for them cannot be filled on the basis of General Standard be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for selection to the service irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

16. Due consideration will be given at the time of making appointments on the basis of results of the examination to the preference expressed by a candidate for various services, posts at the time of his admission to the typewriting test.

17. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission at its discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding result.

18. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry, as may be considered necessary, that the candidate is suitable in all respects for appointment to the Service post.

KARTAR SINGH, Under Secy

APPENDIX-I

The examination will consist of two-parts, viz Part-I—Written Examination and Part-II—Typewriting Test.

Part-I Written Examination.—The Subject of the written examination the time allowed and the maximum marks for each test will be as follows :—

Paper No.	Subject	Maximum Marks	Time Allowed
1.	General Intelligence	50	} = 2 Hours
2.	English Language	50	
3.	Numerical Aptitude	50	
4.	Clerical Aptitude	50	

NOTE :— The questions in all the four tests will be "Objective Multiple-Choice-Type" candidates will be required to qualify in each of the four test separately. The Commission will have full discretion to fix the minimum qualifying marks in each of the four tests.

Part-II Typewriting Test :—The typewriting Test will consist of one paper on Running Matter of 10 minutes duration.

2. Only those candidates who qualify in all the four tests and attain at the written examination a minimum standard, as may be fixed by the Commission in their discretion, will be eligible to take the typewriting test, i.e. Part-II of the scheme of examination.

3. Only such candidates as qualify at the Typing Test at a speed of not less than 30 words per minute in English or not less than 25 words per minute in Hindi will be eligible for being recommended for appointment in terms of Rule 15 of the Rules for the Examination (This does not apply in the case of Telephone Operators employed in the Ministry of External Affairs).

NOTE.—A candidate who claims to be permanently unfit to pass the Typewriting Test because of a physical disability may with the prior approval of the Chairman, Staff Selection Commission, be exempted from the requirement of appearing and qualifying at such test, provided such a candidate, when required to appear at the Typewriting Test, furnishes a certificate (in the prescribed form) to the Commission from the Competent medical authority i.e. the Civil Surgeon, declaring him/her to be permanently unfit to pass the Typewriting Test because of a physical disability.

4. Candidates will be required to bring their own Typewriter for the Typewriting Test. A typewriter with the standard size roller will do for the test.

5. Candidates are allowed the option to take the typewriting Test in Hindi (in Devanagari Script) or in English.

6. Candidates desirous of exercising the option to take the Typewriting Test in Hindi (in Devanagari Script) should indicate their intention to do so in their application otherwise it would be presumed that he would take the Typewriting Test in English. The option once exercised will be final and no request for change of option will be entertained. No credit will be given for Typewriting Test taken in a language other than the one opted for by the candidates.

7. The syllabus for the written examination will be as shown in the Schedule to this Appendix.

8. Candidates must write the Papers in their own hand. In no circumstances, they will be allowed the help of a scribe to write down answer for them.

9. The Commission has discretion to fix qualifying marks in any or all subjects of the examination.

SCHEDULE

SYLLABUS FOR THE SUBJECTS INCLUDED IN PART-I WRITTEN EXAMINATION

Syllabus

1. *General Intelligence* :—The questions in this test will be based on understanding instructions determining relationships similarities, relevance, drawing conclusions and similar intellectual functions.

2. *English Language* :—Questions in this test will be set to assess the knowledge of English Language, its vocabulary, grammar, sentence, structure, synonyms, antonyms, etc. There will also be question on comprehension of a passage.

3. *Numerical Aptitude* :—Questions will be designed to test the ability of arithmetical computation of whole numbers, decimals and fractions and relationship between numbers. The questions would be based on arithmetical concepts and relationship between numbers and not on complicated arithmetical computation.

4. *Clerical Aptitude* :—This is designed to test candidate's perceptual accuracy and aptitude. This is the ability to notice similarities and differences between pairs of names and numbers. Questions in clerical aptitude will also assess in addition to perceptual accuracy and aptitude, ability to handle office routine work like filing abbreviating, indexing etc.

APPENDIX-II

Brief particulars relating to services/posts to which recruitment is being made through this examination

A. CENTRAL SECRETARIAT CLERICAL SERVICE

The Central Secretariat Clerical Service has two grades as follows :

(i) Upper Division Grade—Rs. 1200-30-1560-EB-40-2040

(ii) Lower Division Grade—Rs. 950-20-1150-EB-25-1500

2. Persons recruited to the Lower Division Grade will be on probation for a period of two years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests may result in the discharge of the probationer from service.

3. On the conclusion of the period of probation, Government may confirm the clerk on probation or, if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, he may either be discharged from service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

4. Persons recruited to the Lower Division Grade will be posted to one of the Ministries/Offices participating in the Central Secretariat Clerical Service Scheme. They may, however at any time be transferred to any other Ministry or Office, participating in the Central Secretariat Clerical Service.

5. Persons recruited to the Lower Division Grade will be eligible for promotion to the Upper Division Grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf. Permanent or regularly appointed temporary Lower Division Clerks who have completed 5 years of approved and continuous service in the Lower Division Grade on the crucial date as specified by the Government in this behalf will be eligible to appear in the Upper Division Grade Limited Departmental Competitive Examination.

6. Persons recruited to the Lower Division Grade will be eligible to take the Grade 'D' Stenographers' Examination after rendering not less than two years approved and continuous service on the crucial date as specified by the Government in this behalf. The Upper age limit for this examination is 50 years on the crucial date.

7. Persons recruited to the Lower Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service in pursuance of their option for that service will not after such appointment, have any claim for transfer of appointment to the Indian Foreign Service (B) or the Railway Board Secretariat Clerical Service.

B. RAILWAY BOARD SECRETARIAT CLERICAL SERVICE

The Service conditions of the Lower Division Clerks employed in the Ministry of Railways, so far as recruitment, training, promotion etc. are concerned, are regulated by the Railway Board Secretariat Clerical Service Rules, 1970 which are on lines of Central Secretariat Clerical Service Rules, 1962 as amended from time to time.

2. The Railway Board Clerical Service consists of the following two grades :—

(i) Upper Division Grade—Rs. 1200-30-1560-EB-40-2040

(ii) Lower Division Grade—Rs. 950-20-1150-EB-25-1500.

3. Direct recruitment is made in Lower Division Grade only. Persons recruited to Lower Division Grade will be on probation for a period of two years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by the Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the test may result in their discharge from service.

4. Persons recruited to the Lower Division Grade will be eligible for promotion to the Upper Division Grade in accordance with the Rules in force from time to time in this behalf, permanent or regularly appointed Lower Division Clerk who

have completed 5 years of approved and continuous service in the Lower Division Grade of Railway Board Secretariat Clerical Service on the crucial date as specified by the Government in this behalf will be eligible to appear in the Upper Division Limited Departmental Competitive Examination of the Railway Board Secretariat Clerical Service.

5. Persons recruited to the Lower Division Grade will be eligible to appear in the Limited Departmental Competitive Examination for Grade 'D' of the Railway Board Secretariat Stenographers Service held by the Ministry of Railways after rendering not less than 2 years approved and continuous service on the crucial date as specified by the Government in this behalf. The upper age limit for this examination is 45 years on the crucial date.

6. The Railway Board Secretariat Clerical service is confined to the Ministry of Railway and the Staff are not liable to transfer to other Ministries as in the Central Secretariat Clerical Service.

7. Officers of the Railway Board Secretariat Clerical service recruited under those rules :

(1) will be eligible for pensionary benefits, and

(2) shall subscribe to the non-contributory state Railway Provident Fund under the rules of that fund as are applicable to Railway servants appointed on the date they join service.

8. The staff employed in the Ministry of Railways are entitled in the privilege of possess and privilege tickets orders on the same scale as are admissible to other Railway Staff.

9. As regards leave and other conditions of service, staff included in the Railway Board's Secretariat Clerical service are treated in the same way as other Railway Staff but in the matter of medical facilities they will be governed by the rules applicable to other Central Government employees with headquarters at New Delhi.

C. INDIAN FOREIGN SERVICE (B) GRADE VI

The scale of pay: Rs. 950-20-1150-EB-25-1500

Officers appointed to Grade VI of the Indian Foreign Service (B) are eligible for promotion to Grade V in the pay scale of Rs. 1200-30-1560-EB-40-2040 on completion of eight years of service in the grade.

2. Officers of Grade V of the Indian Foreign Service (B) will in turn be eligible for appointment to Grade IV of the service in the pay scale of Rs. 1400-40-1600-60-2200-FB-60-2600 on completion of five years of service in the grade.

3. Officers of Grade VI of the Indian Foreign Service (B) will be eligible for promotion to Grade III of Stenographers' sub-cadre of the service in the pay scale of Rs. 1200-30-1560-EB-40-2040 on completion of required number of years of service in the grade, on the basis of a limited Departmental Examination.

4. Such officers of Grade VI, who are graduates, will be eligible for appointment to the Grade of Assistant in the sub-cadre of IFS (B) in the pay scale of Rs. 1400-40-1600-50-2300-EB-60-2600 on completion of required number of years of service in the grade through a Limited Departmental Examination.

5. Candidates appointed to the Indian Foreign Service (B) will be liable to serve in any post either at Headquarters, anywhere in India or abroad to which they may be posted by the controlling authority.

6. During service abroad IPS (B) officers, are granted foreign allowance in addition to their basic pay, at rates which may be sanctioned from time to time, depending upon the cost of living etc. of the countries concerned. In addition the following concessions are also admissible during service abroad, in accordance with the IFS (PLCA) Rules, 1961 as made applicable to IPS (B) officers :—

(i) Free furnished accommodation according to the scale prescribed by the Government.

(ii) Medical facilities under Assisted Medical Attendance Scheme as amended from time to time.

- (iii) Upto a maximum of 2 Single return air passage to India and back throughout the officer's entire service for reasons of personal or family emergency.
- (iv) Annual return air passage cheapest class for two children between the age of 6 and 22 studying in recognised educational institutions in India to visit their parents during vacation subject to certain conditions.
- (v) Expenditure on education of children upto a maximum of two children between the age of 3 and 18 studying at the place of posting abroad of the officer is met by the Government subject to certain conditions.
- (vi) Outfit allowance for posting abroad as per existing instructions.
- (vii) Home Leave Passage for officers and their families in accordance with the prescribed rules.

7. The conditions for appointment, confirmation and seniority in the service will be governed by the relevant provisions of the Indian Foreign Service (B) Recruitment Cadre, Seniority and Promotion Rules, 1964, and also by any other rules or orders which Government may hereafter make.

D. ARMED FORCES HEADQUARTERS CLERICAL SERVICE

The Armed Forces Headquarters Clerical Service has two grades of fellows :-

Upper Division Grade—Rs 1200-30-1560-FB-40-2040

Lower Division Grade—Rs 950-20-1150-EB-25-1500.

The posts in Upper Division Grade are filled by promotion from amongst Lower Division Clerks. Direct recruitment is made in the Lower Division Grade only.

2. Persons recruited to the Lower Division Grade will be on probation for two years, which period may be extended or curtailed at the discretion of the competent authority. Unsatisfactory record of service during this period may result in discharge of the probationer from service. During the period of probation they may be required to undergo such training and pass such tests as may be prescribed from time to time.

3. Lower Division Clerks will be eligible for confirmation and promotion in accordance with the rules in force from time to time.

4. Lower Division Clerks recruited to the AFHQ Clerical Service, will be generally posted to any office of the Armed Forces Headquarters and Inter-Service Organisations located in India/New Delhi. They will also be liable to be posted anywhere within India in the public interest.

5. Leave, Medical aid and other conditions of service will be same as applicable to other Ministerial staff employed to the AFHQ and Inter-Service Organisations.

E. MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS

The scale of pay for the posts of Lower Division Clerks in the Ministry is Rs. 950-20-1150-EB-25-1500.

Candidates appointed to the service by selection through the competitive examination shall be on probation for a period of two years.

Posts of Lower Division Clerks in the Ministry of Parliamentary Affairs are not included in C.S.S.

F. CENTRAL VIGILANCE COMMISSION AND ELECTION COMMISSION

1. The scale of pay for the Lower Division Clerk in the Commission is Rs. 950-20-1150-EB-25-1500.

2. The posts of Lower Division Clerks in the Central Vigilance Commission and the Election Commission are not included in the C.S.S.

3. The persons appointed will be on probation for a period of two years.

4. They will be eligible for promotion to the grade of Upper Division Clerks after putting in five years service in case of Central Vigilance Commission and eight years service in the case of Election Commission.

ANNEXURE

Form of Certificate for serving personnel [Please see

Note III below Rule 3(i)]

I hereby certify that, according to the information available with me (No. _____) Rank _____ Name _____ is due to complete the specified form of his engagement with the Armed Forces on the (date) _____.

Signature of Commanding Officer
Office Seal

Place

Date

Undertaking to be given by the candidate

I understand that, if selected on the basis of the recruitment / examination to which this application relates, my appointment will be subject to my producing documentary evidence to the satisfaction of the appointing authority that I have been duly released/retired/discharged from the Armed Forces and that I am entitled to the benefits admissible to ex-servicemen in terms of the Ex-servicemen (Re-employment in Central Civil Service & Posts) Rules, 1979, as amended from time to time.

Signature of candidate

Place

Date